घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 206- गुरूवार 28 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

असम विधानसभा में पारित हुआ यूसीसी विधेयक,देश का तीसरा राज्य बना असम

गुवाहाटी,27 मई 2026। असम विधानसभा में बुधवार को लंबी और तीखी बहस के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित कर दिया गया। इसके साथ ही असम यूसीसी लागू करने वाला देश का तीसरा राज्य तथा पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन गया। विधानसभा में विधेयक को सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन मिला,जबकि विपक्षी दलों ने इसके कई प्रावधानों पर आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि यह कानून सभी नागरिकों,विशेषकर महिलाओं को समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। विधानसभा में बहस के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि यह कानून व्यक्तिगत धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप करेगा,लेकिन विरोध के बावजूद विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया। समान नागरिक संहिता (यूसीसी), असम, 2026 बिल' पर पूरे दिन चली चर्चा के बाद, स्पीकर रंजीत कुमार दास ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से इसे पास कराने के लिए पेश करने को

कहा। स्पीकर ने विपक्ष की उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें बिल को और ज्यादा चर्चा के लिए एक सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने की बात कही गई थी। इसके विरोध में विपक्षी सदस्य सदन के वेल (बीच के हिस्से) में आ गए और बिल पास होने तक लगातार नारेबाज़ी करते रहे। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा लगातार'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारे लगाए जाने के बीच,स्पीकर ने बिल को ध्वनि मत से पास करने के लिए पेश किया। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा बिल के पक्ष में वोट दिए जाने के बाद,स्पीकर ने घोषणा की,मैं घोषणा करता हूं कि यह बिल पास हो गया है। जैसे ही यह बिल पास हुआ,सदन में जोरदार तालियों के साथ इसका स्वागत किया गया। बता दें कि, सोमवार को असम सरकार ने विधानसभा में 'समान नागरिक संहिता (यूसीसी)' पर एक बिल पेश किया था। शादी,तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे कई निजी मामलों में धर्म की परवाह किए बिना सभी के लिए एक जैसे कानून तैयार करना था। इस बिल का मकसद बहुविवाह पर रोक लगाना और लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करना है। हालांकि, इस बिल में यह भी कहा गया है कि यह कानून असम में रहने वाले किसी भी अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति पर लागू नहीं होगा। इस बिल में कई दंडात्मक उपायों का प्रस्ताव किया गया है, जिनमें दो शादियां या बहुविवाह करने पर सात साल की जेल और लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन न कराने पर तीन महीने की जेल की सजा शामिल है। इस बिल के तहत शादी के 60 दिनों के भीतर उसका रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी होगा, जबकि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों को 30 दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। नियमों का पालन न करने पर सज़ा का भी प्रावधान है तय समय सीमा के भीतर जान-बूझकर शादी या तलाक का रजिस्ट्रेशन न करवाने पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगेगा।

भारत ने लॉन्च किया पहला स्वदेशी सुपर प्रेशर बैलून

अंतरिक्ष तकनीक में बड़ी उपलब्धि,सैटेलाइट से सस्ती तकनीक का कमाल

हैदराबाद,27 मई 2026। पूर्व स्काईरूट एयरोस्पेस अधिकारियों द्वारा स्थापित स्टार्टअप रेड बैलून एयरोस्पेस ने बुधवार को विजयवाड़ा से भारत का पहला स्वदेशी सुपर प्रेशर बैलून सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह उपलब्धि भारत को इस अत्याधुनिक तकनीक वाले चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल कर सकती है। विजयवाड़ा स्थित इस स्टार्टअप ने हाल ही में सुपर प्रेशर बैलून के टेथर्ड ट्रायल किए थे। अब कंपनी का लक्ष्य अपने पहले मिशन के जरिए बैलून को 24 घंटे तक स्ट्रैटोस्फीयर में उड़ाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाना है। यह बैलून धरती से 20 से 40 किलोमीटर की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है,जो सामान्य विमानों की पहुंच से ऊपर और उपग्रहों की कक्षा से नीचे का क्षेत्र माना जाता है। यह सुपर प्रेशर बैलून पॉलिमर नैनोकॉम्पोजिट सामग्री से बनाया गया है और इसमें

हल्की-से-हवा तकनीक के तहत हाइड्रोजन गैस भरी गई है। नेविगेशन के लिए इसमें अत्याधुनिक ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) मॉड्यूल लगाया गया है। करीब 50 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम इस बैलून के पहले मिशन में छह पेलोड भेजे गए, जिनमें हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग सिस्टम भी शामिल है। यह सिस्टम 25 से 75 सेंटीमीटर तक की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम बताया गया है। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ डॉ. सीवीएस किरण ने कहा कि इस तकनीक के जरिए दिन-रात लगातार निगरानी संभव होगी। वहीं, सह-संस्थापक और सीओओ सिरीश पल्लिकोंडा ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में दूरसंचार सेवाएं पहुंचाने,आपदा प्रबंधन,औद्योगिक क्षेत्रों की निगरानी और रणनीतिक उपयोगों में बेहद मददगार साबित हो सकता है। कंपनी का दावा है कि इस तरह के प्लेटफॉर्म को उपग्रहों की तुलना में कम लागत और कम समय में तैनात किया जा सकता है, साथ ही इन्हें दोबारा इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका ...

टीएमसी सांसद काकोली घोष ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली,27 मई 2026। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी को बड़ा झटका लगा है। सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बुधवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। बारासात से टीएमसी सांसद ने महिला तृणमूल विंग की अध्यक्ष और अन्य पदों से इस्तीफा दिया है। हालांकि,

वह सांसद के तौर पर अपना काम जारी रखेंगी। सांसद ने कहा कि वह 'गहरे मानसिक द्वंद्व और लंबे विचार-विमर्श' के बाद पद छोड़ रही हैं। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति सार्वजनिक रूप से अपनी निराशा जाहिर की थी। उन्होंने कहा,'मेरे कार्यकाल के दौरान एक अन्य पढ़ी-लिखी महिला सांसद के अन्य महिला सांसदों के प्रति अनुचित व्यवहार को रोक पाना संभव नहीं हो पाया और न ही उच्च नेतृत्व से पर्याप्त सहयोग या सहानुभूति मिली। ऐसी स्थिति में बने रहने का अब कोई अर्थ नहीं रह गया है। पिछले एक दशक में पश्चिम बंगाल और पार्टी से जुड़े कई गंभीर आरोपों और घटनाओं ने मेरी अंतरात्मा को गहराई से झकझोर दिया है। राशन वितरण में भ्रष्टाचार, शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार, और विभिन्न वित्तीय तथा प्रशासनिक अनियमितताओं ने आम लोगों के मन में गहरा गुस्सा और अविश्वास पैदा कर दिया है।

गुजरात के कच्छ से 1150 करोड़ की कोकीन जब्त

ब्राजील से आई खेप दिल्ली भेजने की तैयारी थी,तीन विदेशी गिरफ्तार,एक फरार

गुजरात,27 मई 2026। गुजरात में कच्छ से करीब 1150 करोड़ रुपए कीमत की 118 किलो कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। अरेस्ट किए गए तीनों ही आरोपी विदेशी हैं। गुजरात डीजीपी डॉ. केएलएन राव ने बताया कि सूचना मिलने के बाद इंडियन कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस मुंद्रा पोर्ट पर एक संयुक्त ऑपरेशन चला रही थीं। इसी के तहत भारतीय समुद्री सीमा से एक कंटेनर जहाज पकड़ा गया। जहाज ब्राजील, कई लैटिन अमेरिकी देशों, मेक्सिको, अमेरिका और कराची होते हुए गुजरात के तट तक पहुंचा था। जहाज में नाइजीरिया की नागरिकता वाले दो आरोपी सवार थे, जिनमें से एक समुद्र में कूदकर फरार हो गया। पकड़े गए एक

जहाज से समुद्र में फेंके जा रहे थे पैकेट

गुजरात एटीएस से मिली जानकारी के मुताबिक यह जहाज मुंद्रा तट से करीब 5 नॉटिकल मील (करीब साढ़े 9 किमी) दूर लंगर डाले खड़ा था। कोस्टगार्ड ने की घंटों तक इस पर नजर रखी। इसी दौरान अधिकारियों ने देखा कि जहाज से कुछ संदिग्ध बैग समुद्र में फेंके जा रहे हैं। इसके बाद कोस्टगार्ड और एटीएस की संयुक्त टीम हरकत में आई और रात में ही जहाज को घेरकर अपने कब्जे में ले लिया।

आरोपी ने बताया कि खेप दिल्ली के द्वारका में रहने वाले दो लोगों तक पहुंचाई जाने वाली थी। इनकी पहचान क्लैविन चुकवुमा (तंजानिया का नागरिक) और ब्यारुहांगा जेम्स (युगांडा का नागरिक) के रूप में हुई है। दोनों को अरेस्ट कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है कि कोकीन की डिलीवरी देश में किसे और कहां होने वाली थी।

जो आरोपी पकड़ाया, वो नाइजीरिया का रहने वाला

एटीएस की छापेमारी में जहाज पर दो लोग मिले थे। इनमें से जुम्मा नासिर उमर नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। यह मूल रूप से नाइजीरिया का रहने वाला है। वहीं, एक अन्य आरोपी ने समुद्र में छलांग लगा ली थी, जिसकी तलाश की जा रही है। जहाज को कच्छ पोर्ट पर लाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला...

एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह से वैध

नई दिल्ली,27 मई 2026। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को वैध और संवैधानिक करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इसलिए इस प्रक्रिया को अवैध नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह सामान्य वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया से अलग है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए विशेष प्रक्रिया अपनाने का अधिकार है। अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को 'अल्ट्रा वायर्स' यानी कानून के दायरे से बाहर नहीं माना जा सकता। एसआईआर के तहत चुनाव आयोग मतदाता सूची का का वेरिफिकेशन करता है। इसमें वोटर्स के दस्तावेज, पात्रता और

रिकॉर्ड की दोबारा जांच की जाती है,ताकि फर्जी या डुप्लीकेट नाम हटाए जा सकें। बता दें बिहार में यह प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसे चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि यह सामान्य संशोधन प्रक्रिया से अलग है और मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है और उसे निष्पक्ष एवं शुद्ध मतदाता सूची सुनिश्चित करने का अधिकार है।

आसाराम को हाईकोर्ट से बड़ा झटका : यौन

उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा बरकरार गैंगरेप के चार्ज हटाए,फौरन करना होगा सरेंडर

जोधपुर,27 मई 2026। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सजा काट रहे स्वयंभू बाबा आसाराम को राजस्थान हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उनकी उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए तत्काल सरेंडर करने का आदेश दिया है। आसाराम फिलहाल पैरोल पर जेल से बाहर है और अहमदाबाद में अपना इलाज करवा रहा है। हालांकि कोर्ट ने गैंगरेप के आरोप से उन्हें राहत दे दी।

राजस्थान हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच,जिसमें जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित शामिल थे,ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने 20 अप्रैल 2026 को अंतिम बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला वर्ष 2013 का है, जब उत्तर प्रदेश की एक नाबालिग छात्रा ने आरोप लगाया था कि जोधपुर स्थित आसाराम के आश्रम में उसके साथ यौन शोषण किया गया। मामले ने देशभर में व्यापक सुर्खियां बटोरी थीं। जोधपुर की विशेष पॉक्सो अदालत ने 25 अप्रैल 2018 को आसाराम को दोषी ठहराते हुए अंतिम सांस तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज देंगे इस्तीफा,30 मई को नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण

बेंगलुरु,27 मई 2026। कर्नाटक की राजनीति में मची उथल-पुथल के बीच बुधवार को कई मीडिया रिपोर्ट्स में बड़ा दावा किया गया है। कांग्रेस सूत्रों के हवाल से बताया गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज पद छोड़ सकते हैं और नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण शनिवार 30 मई को हो सकता है। यह खबर ऐसे

समय पर आई है, जब एक दिन पहले मंगलवार को सिद्धारमैया और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व से मिलने आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक,सिद्धारमैया गुरुवार सुबह करीब 11 बजे अपना इस्तीफा दे सकते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने 28 मई को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मिलने का समय मांगा है। इससे पहले,उन्होंने गुरुवार सुबह 9 बजे बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर कर्नाटक मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को नाश्ते पर बुलाया है।

केंद्र सरकार की 'सार्थक-पीडीएस' योजना को मंजूरी,

राशन व्यवस्था होगी हाईटेक, 25530 करोड़ रुपये का बजट आवंटित

नई दिल्ली,27 मई 2026। केंद्र सरकार ने देश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 'सार्थक-पीडीएस' योजना को मंजूरी दे दी गई। इस योजना पर अगले पांच वर्षों में 25,530 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नई व्यवस्था 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक लागू रहेगी। सरकार के अनुसार,इस योजना का सीधा लाभ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन पाने वाले 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिलेगा।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी,

रेलवे बोर्ड ने दी मंजूरी...

जींद, 27 मई 2026। रेलवे बोर्ड ने भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को मंजूरी दे दी है। यह 10 कोच वाली डेमू ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी।रेलवे मंत्रालय ने उत्तरी रेलवे क्षेत्र के तहत इस ट्रेन को मंजूरी दी है। ट्रेन की अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। यह हाइड्रोजन ईंधन सेल का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करेगी और इसका कुल बिजली उत्पादन 1,200 किलोवाट होगा। ट्रेन वितरित पावर रोलिंग स्टॉक तकनीक पर काम करेगी। रेल अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय की मंजूरी रिसर्च डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) की तकनीकी स्वीकृति के बाद मिली। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) ने भी पिछले दिनों जींद जंक्शन पहुंच कर सुरक्षा परीक्षण किया था। अधिकारियों ने बताया कि मंजूरी का मतलब तुरंत संचालन शुरू होना नही है। कई अनुपालन प्रक्रियाएं और सत्यापन चरण अभी पूरे होने बाकी हैं। उत्तरी

रेलवे के महाप्रबंधक को सभी अनुपालन रिपोर्ट जमा करनी होंगी। ये रिपोर्ट आरडीएसओए सीसीआरएस और पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) जैसे अन्य वैधानिक प्राधिकरणों से संबंधित होंगी। भारतीय रेलवे द्वारा देश की पहली हाइड्रोजन डेमो ट्रेन को आधिकारिक मंजूरी दिए जाने के बाद बुधवार को जिला जींद में उत्सव और खुशी का माहौल रहा। जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन न केवल देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

भीषण गर्मी के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की

नई दिल्ली, 27 मई 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी और लू की स्थिति के बीच नागरिकों से सतर्क रहने और सभी आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की है। उन्होंने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने और जरूरतमंदों को पानी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अत्यधिक गर्मी सभी के लिए चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने लोगों को हीट एग्जॉशन के लक्षणों जैसे चक्कर आना,मतली और अत्यधिक थकान को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को कमजोरी, सिरदर्द या अस्वस्थता महसूस हो तो उसे तुरंत ठंडी और छायादार जगह पर ले जाकर पानी और ओआरएस उपलब्ध कराना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चे,बुजुर्ग और बाहर काम करने वाले लोग अत्यधिक गर्मी में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि लक्षणों की अनदेखी करने पर स्थिति गंभीर होकर हीटस्ट्रोक का रूप ले सकती है। मोदी ने लोगों से अपने माता-पिता, दादा-दादी और अन्य बुजुर्ग परिजनों का विशेष ध्यान रखने की अपील करते हुए कहा

कि उन्हें नियमित रूप से फोन कर हालचाल लें और पर्याप्त पानी पीने, दोपहर की तेज धूप में बाहर न निकलने तथा पर्याप्त आराम करने की सलाह दें। प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों और जानवरों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि घरों, बालकनी,छत,दुकानों और कार्यालयों के बाहर पानी से भरे छोटे बर्तन रखना प्यासे पक्षियों और जानवरों के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री ने लिखा,'देश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसके साथ ही दैनिक जीवन में गर्मी से होने वाली कई कठिनाइयां भी बढ़ रही हैं। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि जितनी अधिक सावधानी बरत सकें,अवश्य बरतें। कृपया स्वयं को हाइड्रेटेड रखें,घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखें। ऐसे मौसम में आपकी संवेदनशीलता भी बहुत बड़ा सहारा बन जाती है। यदि संभव हो,तो किसी प्यासे व्यक्ति को एक गिलास पानी अवश्य दें। मैं ऐसे लोगों की सराहना भी करूंगा जो अपने घरों के और दुकानों के बाहर मटके में जल रखते हैं ताकि कोई भी उनसे पानी पी सके। 'एक अन्य पोस्ट में लिखा,'जब भी संभव हो,अपने माता-पिता, दादा-दादी,नाना-नानी और अन्य प्रियजनों को फोन कर उनका हालचाल अवश्य पूछें। उन्हें पर्याप्त पानी पीने,दोपहर की तेज धूप में बाहर न निकलने और जितना हो सके,आराम करने की सलाह दें। 'प्रधानमंत्री ने लिखा,'इस प्रचंड गर्मी में हमें अपने आसपास के पशु-पक्षियों को भी नहीं भूलना चाहिए। अपने घर, बालकनी,छत, दुकान या ऑफिस के बाहर पानी से भरा एक छोटा-सा बर्तन रखना भी किसी प्यासे पक्षी के लिए जीवनदान बन सकता है। आइए,इन कठिन दिनों में पूरी संवेदनशीलता और करुणा के साथ एक-दूसरे का ध्यान रखें। '

केरल में ईडी की कार्रवाई पर बवाल...पूर्व सीएम विजयन के समर्थकों ने अफसरों को घेरा,गाड़ियों में तोड़फोड़ से तनाव

तिरुवनंतपुरम, 27 मई 2026। तिरुवनंतपुरम में पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन के आवास के बाहर उस वक्त भारी हंगामा मच गया,जब सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों की गाड़ी पर हमला कर दिया। ये कार्यकर्ता केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) मामले में केरल के 10 ठिकानों पर एजेंसी द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया था। तिरुवनंतपुरम में भीड़ को नियंत्रित

करने के दौरान एक पुलिसकर्मी घायल हो गया है

पुलिस और ईडी के अधिकारियों पर हमला : प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के दौरान बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बेकरी जंक्शन स्थित किराए के आवास के बाहर जमकर हंगामा हुआ। जानकारी के मुताबिक ईडी अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के आवास पर छापा पूरा कर लिया था और जब वे वहां से निकल रहे थे,तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके वाहनों को रोक दिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आरोप है कि काफिला निकलने से पहले सीपीआई (एम) के कार्यकर्ताओं ने ईडी के तीन वाहनों को नुकसान पहुंचाया और उन पर पत्थर फेंके। इस बीच जैसे-तैसे ईडी के अधिकारी केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सीपीआई (एम) नेता पिनाराई विजयन के आवास से रवाना हुए।

भारत में इबोला की दस्तक! युगांडा से आई महिला में दिखे लक्षण,एयरपोर्ट पर आइसोलेशन में रखा...

नई दिल्ली,27 मई 2026। इबोला वायरस को लेकर दुनियाभर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी बीच, 23 मई को केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंची युगांडा की 28 वर्षीय महिला को एहतियातन आइसोलेशन में रखा गया है। महिला को बेंगलुरु के एपिडेमिक डिजीज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है और उसके सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव ऋत्विक रंजनम पांडे ने बताया कि महिला में इबोला के स्पष्ट लक्षण, जैसे तेज बुखार, फिलहाल नहीं पाए गए हैं। हालांकि

एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने थकान जैसे कुछ शुरुआती संकेत मिलने पर जांच के लिए सैंपल लेने का फैसला किया। अधिकारियों के अनुसार,महिला युगांडा से आने के बाद पहले एक होटल में ठहरी थी। बाद में शरीर में दर्द और हल्के लक्षण महसूस होने पर उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके सैंपल जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भेजे गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि महिला की हालत फिलहाल स्थिर है और उस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

संपादकीय

बदलनी होगी उर्वरक उपयोग की रीति-नीति

प्रधानमंत्री मोदी ने बीते दिनों किसानों से आह्वान किया कि वे यूरिया और डीएपी जैसे रसायनिक उर्वरकों के उपयोग में कम से कम आधे की कटौती करें और अधिक से अधिक प्राकृतिक खेती अपनाएं। इस अपील के पर्यावरणीय ही नहीं,अपितु आर्थिक निहितार्थ भी हैं। भारत उर्वरकों पर भारी-भरकम राशि खर्च करता है और उसकी बहुलांश खरीदारी विदेश से होती है। अभी विदेशी उर्वरक की खरीद मुश्किल और बेहद महंगी हो गई है,जिससे संकट कहीं ज्यादा बढ़ गया है। इसलिए उर्वरकों के उपभोग का रवैया बदलना ही होगा।

भारत में किसान 45 किग्रा यूरिया का एक बैग 266 रुपये में खरीदता है, जबकि इसकी वास्तविक कीमत करीब 4,000 रुपये होती है। इसकी बिक्री पर होने वाले घाटे की भरपाई सरकार खुद करती है। इसी सरकारी सब्सिडी के चलते किसान के लिए खेती की लागत नियंत्रित रहती है। मुश्किल यह है कि सरकार के लिए अब यह खर्च इतना ज्यादा बढ़ रहा है कि उसे वहन करना काबू से बाहर जा रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार ने 1.7 लाख करोड़ रुपये केवल उर्वरक सब्सिडी पर खर्च किए और इस साल यह खर्च कहीं ज्यादा बढ़ेगा। इतनी विशाल राशि से तो बड़े पैमाने पर सिंचाई के लिए नहर,ग्रामीण सड़कों या स्कूलों का निर्माण किया जा सकता है। पश्चिम एशिया में छिड़ी जंग और उर्वरक आपूर्ति के एक प्रमुख जलमार्ग होर्मुज में गतिरोध से चरमराई आपूर्ति के चलते भारत को इस समय विदेशी बाजार से 959 डालर प्रति टन की दर पर यूरिया खरीदना पड़ रहा है। ये दरें दो महीनों के अंतराल में लगभग दोगुनी बढ़ गई हैं। इस दर पर 25 लाख टन का कोई आर्डर एक ही झटके में साल भर के आयात का एक चौथाई हिस्सा खर्च कर देगा।

सब्सिडी से उपजी समस्या का एक पहलू यह भी है कि सस्ता मिलने से किसान उर्वरकों का आवश्यकता से अधिक उपयोग करते हैं। विज्ञानियों की अनुशंसा के अनुसार तीन मुख्य पादप पोषक तत्वों नाइट्रोजन,फास्फोरस और पोटेशियम का 4ः2ः1 के अनुपात में ही संतुलित उपयोग करना चाहिए। जबकि भारतीय खेतों में यह अनुपात सामान्यतः 11:4:1 का होता है। यानी यूरिया का अतिरेक और शेष का अत्यल्प उपयोग। केंद्रीय उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा का भी कहना है कि जहां दो बैग की जरूरत है, वहां किसान चार बैग उर्वरक उपयोग करते हैं। यह अतिरिक्त यूरिया फसल के लिए उपयोगी नहीं होता। इसका एक तिहाई हिस्सा ही पौधे अवशोषित कर पाते हैं और शेष या तो घातक ग्रीनहाउस गैसों के रूप में उत्सर्जित हो जाता है या भूजल में घुल जाता है। सस्ता यूरिया मिट्टी के साथ ही पानी को भी दूषित कर रहा है।

एक समस्या रिसाव की भी है। जब कोई वस्तु वास्तविक मूल्य से कम पर बिकती है तो उसके दुरुपयोग की आशंका कहीं ज्यादा बढ़ जाती है। सरकारी आकलन के अनुसार करीब 20 प्रतिशत उर्वरक बैग कालाबाजारी की भेंट चढ़ जाते हैं। ये बैग या तो उन उद्योगों तक पहुंचाए जाते हैं,जहां यूरिया का उपयोग एक औद्योगिक रसायन के रूप में होता है या फिर तस्करी के जरिये विदेश,जहां उनकी ऊंची कीमत मिलती है। इस तरह किसानों के लिए खर्च की जाने वाली राशि गलत हाथों में पहुंचती है। नीम कोटेड यूरिया ने रिसाव की इस समस्या पर कुछ अंकुश तो लगाया है,पर गड़बड़ी की कुछ गुंजाइश अभी भी कायम है।

इस दिशा में सुधार के उपायों की बात करें तो एक उपाय किसानों को सीधे नकदी प्रदान करने का हो सकता है। उर्वरक बैग को सस्ता बेचने के बजाय सरकार जोत के आकार और भूमि की गुणवत्ता के आधार पर यूरिया की आवश्यकता को चिह्नित करते हुए आवश्यक राशि सीधे किसानों के खाते में भेजे। आधार पहचान पत्र,सभी तक बैंकिंग की पहुंच और मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सहायता से इसे सहजता के साथ संभव बनाया जा सकता है। इससे किसानों को अपेक्षित सहायता भी मिलती रहेगी और रिसाव भी रुकेगा। दूसरा उपाय यह हो सकता है कि यूरिया की कीमत को उसके वास्तविक स्तर तक बढ़ाया दिया जाए। 266 रुपये और 4,000 रुपये के बीच का यह भारी-भरकम अंतर ही लोगों को यूरिया की कालाबाजारी के लिए उकसाता है। कीमतें बढ़ने से मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति पर लगाम लगेगी तो किसान भी किफायत से इसके उपयोग को उन्मुख होंगे। वास्तविक लाभार्थी के रूप में किसानों के खातों में मिलने वाली नकदी से खरीद में समस्या भी नहीं आएगी। इस क्रम में तीसरा उपाय यह हो सकता है कि यूरिया को भी अन्य उर्वरकों की दृष्टि से देखा जाए।

वर्ष 2010 से फास्फोरस और पोटेशियम उर्वरकों को अपेक्षाकृत अधिक न्यायसंगत व्यवस्था के तहत नियंत्रित किया जा रहा है,जिसमें सब्सिडी का पहलू इस इस बात पर निर्भर करता है कि उस बैग में पोषक तत्व की मात्रा कितनी है। यूरिया को इस व्यवस्था से बाहर रखा गया। यही एकमात्र अपवाद था,जिसने किसानों को यूरिया का आवश्यकता से अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। यूरिया को भी इसी समान व्यवस्था के दायरे में लाने से मिट्टी के पोषण संतुलन को फिर से बहाल करने में भी मदद मिलेगी। चौथा उपाय कारगर तरीकों की सराहना से जुड़ा है। अभी सरकार केवल पारंपरिक दानेदार यूरिया पर ही सब्सिडी देती है,भले ही पत्तियों पर छिड़का जाने वाला तरल यूरिया उसकी तुलना में कहीं बेहतर तरीके से अवशोषित होता हो और उसकी बर्बादी भी बहुत कम होती हो। ऐसे में सब्सिडी के लिए किसी यूरिया या पारंपरिक परिपाटी के बजाय प्रभावी नई परंपरा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

पिछले 40 वर्षों से विशेषज्ञ समितियां इसी प्रकार के सुधारों की सिफारिश करती रही हैं,लेकिन उन्हें उपेक्षित ही किया जाता रहा है। ऐसा इसलिए,क्योंकि यदि एक बार कोई वस्तु सस्ती दरों पर उपलब्ध कराई जाने लगे तो उस व्यवस्था को पलटना बहुत मुश्किल होता है। हालांकि हाल के संकट ने इससे जुड़ा पूरा गणित ही बिगाड़ दिया है। याद रहे कि जब कोई उत्पाद दुर्लभ और महंगा हो जाता है तो उसके उपभोग की रणनीति बदलनी ही पड़ती है। प्रधानमंत्री ने इस समस्या को रेखांकित कर दिया है और उसके समाधान की राह भी सामने है, लेकिन यह राह बहुत लंबे समय तक खुली नहीं रहेगी।

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी,उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित,स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा,सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं,वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा,अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है,वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री,नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा,सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा,जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था,अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव,प्रतिस्पर्धा,अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा,सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट,नेट,प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक,परीक्षा रद्द होने,परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना,मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय,कोचिंग संस्थान और विश्व विद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन

भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस,निजी कोचिंग,प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार,जांच, आईसीयू,दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बड़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण,अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था,लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है।जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव,भविष्य की अनिश्चितता,शिक्षा का तनाव,महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद,मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है,जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी,तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल,सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे,यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त,विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है,ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक,कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आई आई टी,आई आई एम, केंद्रीय विश्वविद्यालय,एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा,कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या बड़ी है,उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी,सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन,प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता,क्योंकि ये केवल आर्थिक गति विधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी,प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ,समान और मानवीय बनती हैं। सरकार,समाज, नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें कोई बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो और कोई नागरिक उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे। यही स्वतंत्र भारत की मूल भावना थी और यही भविष्य का मार्ग भी होना चाहिए।

उस दूसरे पंख की रहस्यमयी मौत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

वह जून की एक ऐसी दोपहर थी जब सूरज आसमान में किसी क्रूर जमींदार की तरह तमाचा मार रहा था। मैं अपनी चमचमाती मोटरसाइकिल पर नब्बे की रफ्तार से हवा को चीर रहा था। गति का एक अपना नशा होता है जनाब। जब सुई नब्बे पार करती है तो लगता है कि आप समय से आगे निकल चुके हैं। तभी अचानक एक चीख सुनाई दी जो शायद सिर्फ ब्रह्मांड के कान सुन सकते थे। एक मासूम परों वाला कीड़ा सीधे मेरे हेलमेट के कांच से टकराया। एक भयानक चट् की आवाज हुई। वह वहीं शहीद हो गया। उसका एक पंख राष्ट्रध्वज की तरह मेरे हेलमेट पर चिपका रह गया और दूसरा पंख जाने किस अज्ञात दिशा में अनंत यात्रा पर निकल गया। एक संयुक्त परिवार पल भर में बिखर गया। वह अभागा कीड़ा दोपहर की उस चिलचिलाती धूप में किसी नितांत जरूरी काम से निकला होगा। शायद वह पास के किसी गूलर के पेड़ से रस की बूंदें तलाशने जा रहा था या हवा के झोंके के साथ बहती किसी महक का पीछा करते हुए अपनी मादा साथी से मिलने की जल्दी में था। प्रकृति ने उसे उड़ने के लिए पंख दिए थे और वह बस अपनी सहज प्रवृत्ति के साथ जिंदगी जीने की जद्दोजहद में मसरूफ था। उसे क्या पता था कि इंसानी तरक्की की एक नब्बे किलोमीटर वाली क्रूर मशीन उसका रास्ता रोके खड़ी है। वह अपनी छोटी सी मंजिल की तरफ बढ़ ही रहा था कि बीच रास्ते में मेरे हेलमेट का वह अभेद्य शीशा आ गया। उसका वह छोटा सा प्राकृतिक काम हमेशा के लिए अधूरा रह गया और उसका पूरा वजूद पल भर में इतिहास बन गया। मैंने गाड़ी किनारे लगाई और हेलमेट पर चिपके उस अकेले पंख को देखने लगा। यह महज एक कीड़ा नहीं था। यह उस सभ्यता का प्रतिनिधि था जो नब्बे की रफ्तार वाली आधुनिकता के सामने घुटने टेक चुकी थी। हेलमेट पर चिपका वह आधा हिस्सा चिल्ला-चिल्लाकर कह रहा था कि रफ्तार चाहे जितनी भी हो अंततः तुम्हें किसी न किसी कांच से टकराकर ही दम तोड़ना है। थोड़ा आगे बढ़ा तो सड़क किनारे एक बड़ा सा बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था तेज गति से गाड़ी चलाना जान के लिए खतरा हो सकता है। मुझे हंसी आ गई। यह चेतावनी इंसानों के लिए थी या उन अभागे कीड़ों के लिए जो बिना किसी लाइसेंस के इस हाईवे पर उड़ रहे थे। व्यवस्था की यही खूबसूरती है कि वह मरने के बाद रास्ता बताती है। सड़क किनारे एक चाय की टपरी थी। मैंने गाड़ी रोकी और चाय वाले से कहा। भाई एक कड़क चाय देना। चाय वाले ने मेरी तरफ देखा फिर हेलमेट पर चिपके उस पर को देखा। उसने पूछा। भाई साहब यह क्या है। मैंने बहुत दार्शनिक लहजे में कहा। यह एक टूटे हुए ख्वाब का अवशेष है जो नब्बे की रफ्तार से टकराकर सुसाइड कर गया। चाय वाले ने केतली उतारते हुए एक गहरी सांस ली और बोला। बाबूजी इस हाईवे पर रोज कितने ही ख्वाब पंख फैलाते हैं और शाम तक उनकी सिर्फ चिता मिलती है। रफ्तार का यह खेल बड़ा गंदा है। उसकी बातें सीधे दिल में तीर की तरह चुभ रही थीं। एक अदना सा चाय वाला मुझे जीवन का सबसे बड़ा फलसफा समझा रहा था। मैंने चाय का कुल्हड़ हाथ में लिया और सोचने लगा कि उस कीड़े का दूसरा पंख कहाँ गया होगा। क्या वह हवा के झोंकों के साथ किसी नदी में तैर रहा होगा या किसी वीरान मोड़ पर अपनी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा होगा। एक पंख मेरे पास था और दूसरा कहीं दूर। यह तो हमारे समाज की विडंबना जैसा था जहाँ आधा हिस्सा तरक्की के हेलमेट पर चिपका है और आधा हिस्सा गरीबी की धूल में उड़ रहा है। इस देश में विकास की नब्बे वाली स्पीड ही सबसे बड़ी दुर्घटना है। हम सब भी तो उसी कीड़े की तरह हैं जो किसी अदृश्य हेलमेट से टकराने के लिए पूरी रफ्तार से भागे जा रहे हैं। हमें लगता है कि हम सफर तय कर रहे हैं जबकि हम सिर्फ अपना अंत तय कर रहे होते हैं। चाय खत्म करके मैंने जेब से पैसे निकाले और चाय वाले को दिए। तभी मेरी नजर सड़क पार खड़ी एक बड़ी सी लक्जरी कार पर पड़ी जिसके वीआईपी नंबर प्लेट पर लिखा था सरकार। उस कार के बोनट पर भी कई कीड़ों की लाशें चिपकी हुई थीं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यही है कि यहाँ कीड़ा हो या आम आदमी दोनों ही नब्बे की रफ्तार वाली वीआईपी गाड़ियों के सामने आकर कुचलने के लिए स्वतंत्र हैं। मैं अपनी मोटरसाइकिल की तरफ बढ़ा। हेलमेट उठाया और उस अभागे कीड़े के बचे हुए पंख को बहुत आदर के साथ चूमा। मुझे लगा कि मैं किसी महान शहीद की अंतिम विदाई में शामिल हो रहा हूँ। मैंने मोटरसाइकिल स्टार्ट की और वापस नब्बे की स्पीड पकड़ ली क्योंकि जिंदगी रुकने का नाम नहीं है चाहे पैर कट जाएं या पंख। घर पहुँचकर मैंने जब बड़े गर्व से अपना हेलमेट उतारा और आईने के सामने खड़ा हुआ तो मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। हेलमेट के कांच पर वह पंख अब भी चिपका हुआ था लेकिन जब मैंने अपना चेहरा देखा तो दंग रह गया। हेलमेट के भीतर मेरा खुद का चेहरा गायब था। वहाँ सिर्फ एक बड़ा सा बदसूरत कीड़ा तड़प रहा था जिसके दोनों पंख गायब थे। शीशे के पार खड़ा मैं खुद को देख रहा था जो नब्बे की स्पीड से अपनी ही मौत का तमाशा देखने हाईवे पर निकला था। मैं रोना चाहता था पर कीड़ों के पास आंसू बहाने के लिए आंखें नहीं सिर्फ टूटे हुए पंख होते हैं।

सीबीएसई का डिजिटल प्रयोग बना छात्रों की सबसे बड़ी परीक्षा

प्रो.आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

सीबीएसई मूल्यांकन विवादः- मेहनत छात्रों की, गलती सिस्टम की धुंधली स्कैनिंग,टूटते सपनेः- सीबीएसई के मूल्यांकन मॉडल पर बड़ा सवाल

जब सुधार के नाम पर व्यवस्था ही संकट बन जाए,तब शिक्षा तंत्र पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सीबीएसई ने 2026 में कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली लागू की, जिसे पारदर्शिता और गति की दिशा में बड़ा कदम माना गया। उद्देश्य था निष्पक्ष और त्रुटिरहित मूल्यांकन,लेकिन वास्त विकता ने लाखों छात्रों का भरोसा तोड़ दिया। धुंधली स्कैनिंग,गलत उत्तर पुस्तिकाओं का अपलोड,कई उत्तरों का बिना जाँच छूटना और पोर्टल की तकनीकी विफलताओं ने वर्षों की मेहनत पर संकट खड़ा कर दिया। नतीजतन पास प्रतिशत गिरकर 85.2 प्रतिशत पर आ गया,जो सात वर्षों का सबसे निचला स्तर रहा। कई मेधावी छात्र अचानक कम अंकों से स्तब्ध रह गए। यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं,बल्कि सपनों पर पड़ा गहरा आघात बन गया। जहाँ शिक्षा सपनों को उड़ान देती है,वहीं डिजिटल अव्यवस्था ने हजारों छात्रों के भविष्य पर विराम लगा दिया। जेईई मेन पास करने वाले कई मेधावी छात्र ओएसएम की खामियों के कारण क्लास 12 में अपेक्षित अंक नहीं ला सके। कई मेधावी छात्र अपेक्षित अंकों (विशेषकर 75 प्रतिशत कट-ऑफ) से पीछे रह गए,जिससे एनआईटी/ आईआईटी आदि में प्रवेश प्रभावित हुआ। फिजिक्स,केमिस्ट्री,मैथ्स और इंग्लिश में अप्रत्याशित कम अंकों ने वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया। कोचिंग का खर्च,जागी रातें और सुनहरे सपने एक तकनीकी गड़बड़ी के आगे बिखरते दिखे। यह केवल रिजल्ट की भूल नहीं, बल्कि युवाओं के करियर और आत्मविश्वास पर गहरा आघात है।

जब एक गलती मार्कशीट से निकलकर मन तक पहुँच जाए,तब उसका असर सबसे भयावह हो जाता है। पूरी मेहनत और समर्पण से तैयारी करने वाले हजारों छात्र अचानक चिंता,निराशा और मानसिक दबाव में घिर गए। सोशल मीडिया पर उठते हमारी मेहनत क्यों बर्बाद? जैसे सवाल व्यवस्था की संवेदनहीनता उजागर करने लगे। कई विद्यार्थियों की नींद छिन गई,परिवार तनाव में डूब गए और कॉलेज एडमिशन की डेडलाइन ने युवाओं को टूटन के कगार पर पहुँचा दिया। शिक्षा का उद्देश्य आत्मविश्वास जगाना है,न कि युवाओं को असुरक्षा में धकेलना। लेकिन सीबीएसई की लापरवाही ने हजारों घरों की शांति और भरोसा दोनों हिला दिए। डिजिटल गलती का यह प्रभाव अब केवल स्क्रीन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि घर-घर की बेचैनी बन गया।

जब जांच की प्रक्रिया ही भरोसे के संकट में घिर जाए,तब सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि पूरा परिणाम दोबारा मैनुअल तरीके से क्यों न तैयार कराया जाए। जिन स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं को छात्र स्वयं स्पष्ट रूप से नहीं पढ़ पा रहे, उसी डिजिटल प्रारूप में निष्पक्ष री-इवैल्यूएशन कैसे संभव माना जाए? यही कारण है कि मैनुअल री-चेकिंग की मांग अब सबसे न्यायपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है। शिक्षक जब वास्तविक कॉपी देखकर जाँच करते हैं, तब वे लिखावट,उत्तर की संरचना और सोच की क्रमबद्धता को बेहतर समझ पाते हैं। इसके विपरीत ओएसएम में धुंधली इमेज, सीमित दृश्यता और स्क्रीन थकान के कारण कई सही उत्तर भी अनदेखे रह गए। यही कारण है कि प्रभावित छात्रों के लिए मैनुअल री-चेकिंग या पूर्ण समीक्षा की मांग अब सबसे न्यायपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है।

डिजिटल व्यवस्था की चमक उस समय बिखर गई,जब पोर्टल की खामियां छात्रों के लिए नई परेशानी बन गईं। उत्तर पुस्तिका प्राप्त करने और री-इवैल्यूएशन के लिए छात्रों को घंटों पोर्टल पर जूझना पड़ा,लेकिन बार-बार तकनीकी गड़बड़ियों ने पूरी प्रक्रिया को अव्यवस्थित बना दिया। पेमेंट फेल होने के बावजूद राशि कट जाना,कैप्चा गायब होना और आवेदन 'पेंडिंग' रहना जैसी समस्याओं ने तनाव कई गुना बढ़ा दिया। कई छात्रों को आर्थिक नुकसान झेलने के बाद भी प्रक्रिया अधूरी और अनिश्चित बनी रही। सीबीएसई द्वारा फीस कम करना और डेडलाइन बढ़ाना राहत जरूर है,पर यह केवल अस्थायी उपाय है। असली संकट कमजोर डिजिटल ढांचे का है। तकनीक तभी वरदान बनती है, जब उसकी नींव मजबूत,सुरक्षित और भरोसेमंद हो;अन्यथा वही सुविधा शिक्षा पर अतिरिक्त बोझ बन जाती है।

एक तकनीकी गलती छात्रों की प्रतिभा तय नहीं कर सकती,लेकिन उसने सीबीएसई की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ओएसएम की खामियों ने साफ कर दिया कि चूक प्रणाली की है, छात्रों की मेहनत की नहीं। जेईई मेन जैसी कठिन परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों की योग्यता किसी पोर्टल त्रुटि से कम नहीं हो जाती। ऐसे समय में छात्रों को अपना आत्मविश्वास और तैयारी बनाए रखनी चाहिए। नए कौशल और वैकल्पिक अवसर आगे की राह मजबूत करेंगे। सफलता केवल अंकों से नहीं,बल्कि संघर्ष और धैर्य से तय होती है। यह संकट छात्रों का नहीं,बल्कि सीबीएसई की डिजिटल व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन गया है। अब जिम्मेदारी सीबीएसई और नीति-निर्माताओं की है। शिक्षा व्यवस्था में भरोसा लौटाना है,तो केवल सफाई नहीं, ठोस सुधार जरूरी हैं। आई-आई-टी जैसे संस्थानों की मदद से ओएसएम प्रणाली को मजबूत बनाया जा सकता है। प्रभावित छात्रों के लिए मैनुअल री-चेकिंग तुरंत शुरू होनी चाहिए। जब डिजिटल मूल्यांकन पर इतने सवाल उठ चुके हैं,तो पूरा परिणाम दोबारा मैनुअल तरीके से क्यों न तैयार कराया जाए। शिक्षा मंत्री ने रिपोर्ट मांगी है,लेकिन अब जरूरत निर्णायक कार्रवाई की है। छात्रों की आवाज आज शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता की सबसे बड़ी परीक्षा बन चुकी है। जब एक तकनीकी व्यवस्था लाखों सपनों को संदेह में डाल दे,तब यह केवल रिजल्ट की गड़बड़ी नहीं रह जाती,बल्कि पूरी डिजिटल शिक्षा प्रणाली पर सवाल बन जाती है। जब लाखों छात्र एक साथ प्रभावित हों,तब चुप्पी समाधान नहीं बन सकती। यदि सीबीएसई छात्र हित को केंद्र में रखकर मैनुअल री-चेकिंग और तकनीकी सुधार लागू करे, तो खोया भरोसा लौट सकता है। अब बोर्ड को स्वनिर्णय लेते हुए पूरे परिणाम की निष्पक्ष मैनुअल समीक्षा करानी चाहिए। छात्रों को भी अपनी मेहनत और संघर्ष पर विश्वास बनाए रखना होगा। यह कठिन दौर बीत जाएगा, प्रणाली सुधरेगी, लेकिन युवाओं की लगन ही देश का असली भविष्य तय करेगी।

मित मितानी बधे के परंपरा

सोनु नेताम माया,धमतरी,छत्तीसगढ़

एक बहुतेच सुग्हर अउ गहरा समाजिक-सांस्कृतिक प्रथा हे मितान बधे के परंपरा ह दोस्ती ल रिस्तेदारी म बदले के एक अनोखा परंपरा ए काबर कि ए रिस्ता सिरिफ दू संगी मन ले हि नहि बल्कि दू परवार ल एक संग जोड़ देथे दू लोगन अउ ओकर परवार के बीच भगवान अउ समाज ल साक्षी मानके जिनगी भर बर अटूट मित्रता रिस्तेदारी बंधन के शुरुआत करथे दोस्त ले घलो बड़े रिस्ता तेकरे सेती एला रिस्तेदारी असन मानथे,कोनो मन ए रिस्ता ल मितान कहिथे,कोनो मन महापरसाद अउ गंगाजल कहिथेए मित मितानी बधे परंपरा के खासियत ए हवय कि ए परंपरा जाति-धरम ले परे हेउमर अउ जाति के बंधन ले मुक्त होथे।

बस दूनो एक बरोबर लिंग (महिना महिला अउ पुरुष पुरुष) होना चाहि मित मितानी के रिस्ता कोनो भी शुभ दिन म चाउंर पिसान के चउंक बनाके,ओकर उपर पिड़हा रखे जाथे फेर दूबी ले पानी के छिंटा दे जाथे सबले पहिली एक दूसर उपर तिलक लगाय जाथे फेर दूबी फूल कान म खोचके,नरियर भेंट करे जाथे अउ सात बार गले मिलके मितान बनाए जाथे अउ उहि नरियर ल फोड़के परसाद के रुप बांटे जाथे ।

मितान के लईका मन एक दूसर के परवार ल अपन परवार मानथे,ओमा मितान के ददा ल फूलददा अउ दाई ल फूलदाई कहिथे,सुख दुख म एकदम संग रहिके मित मितानी के रिस्ता जिनगी भर निभाय जाथे, अतका नहि मितान के चले जाए के बाद घलो आगे के पीढ़ी ए रिस्ता ल निभाथे जब मितान अउ मितानिन के रिस्ता बदलथे त ऐमा परवार के बहुत बड़े भुमिका रहिथे, दूनो एक दूसर के सुख दुख के साथी होथे,हरदम संग साथ रहिथे,एक दूसर के परवार सगा संबंध ल अपनेच बरोबर मानथे तब तो मितान मितानिन के रिस्ता म बंध जथे

आजकल ए मित मितानी बधे के परंपरा सहर मन म नंदागेहे, फेर छत्तीसगढ़ के कई ठन गंवई गांव म लोगन मन एला मान सम्मान अउ पुरा श्रद्धा ले निभाथे...

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना
प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना
प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

शराब पीकर वाहन चलाना पड़ा महंगा 5 चालकों पर 50 हजार का जुर्माना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर लगातार सख्ती बरती जा रही है। पुलिस महानिरीक्षक एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर जिलेभर में शराब पीकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट वाहन चलाने, तीन सवारी बैठाने तथा खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना उदयपुर एवं यातायात पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शराब के नशे में वाहन चलाने वाले 5 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत सख्त कार्रवाई की। वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए सभी चालकों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। पुलिस ने ट्रक क्रमांक CG 30 A 0365 के चालक सुकुल रवि निवासी रामानुजगंज, स्कूटी क्रमांक CG 15 DP 6038 के चालक दुर्गेश मिंज निवासी सम्बलपुर सेमरा थाना जयनगर, मोटरसाइकिल क्रमांक CG 15 CW 5903 के चालक कुदर साय निवासी सरईटिकरा थाना दरिमा, अपाचे मोटरसाइकिल चालक सुखसाय राजवाड़े निवासी गणेशपुर थाना लखनपुर तथा पिकअप वाहन क्रमांक CG 10 V 6944 के चालक संतोष आनंद निवासी अधीना सलका थाना भटगांव जिला सूरजपुर के खिलाफ कार्रवाई की। थाना बतौली, उदयपुर एवं यातायात पुलिस ने संबंधित वाहनों को जब्त कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। माननीय न्यायालय ने 26 मई 2026 को सभी 5 मामलों में मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत 10-10 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया। इस प्रकार कुल 50 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। सरगुजा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि शराब पीकर वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके।

पिंक बॉल टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले त्रयम्बकेश्वर और आयांश चमके

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित 'एम एस सिंह देव अंडर-16 पिंक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 2026' में मंगलवार को गांधी स्टेडियम में दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। फ्लडलाइट और पिंक बॉल के बीच खेले गए मैचों में युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में सरगुजा रॉयल और अजबनगर फाइटर आमने-सामने थे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सरगुजा रॉयल ने 20 ओवर में 142 रन बनाए। टीम की ओर से त्रयम्बकेश्वर सिंह ने शानदार 63 रन बनाए, जबकि गगन बोस ने 35 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अजबनगर फाइटर की टीम 94 रन पर सिमट गई। सरगुजा रॉयल की ओर से युग गोयल और रोहित ने 3-3 विकेट झटके। बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए त्रयम्बकेश्वर सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में सीडब्ल्यूआरडी और रेस्ट ऑफ सरगुजा ब्लू के बीच कांटे की टक्कर हुई।

सीतापुर विधायक पर नायब तहसीलदार से मारपीट का आरोप,प्रशासनिक महकमे में हड़कंप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

रामकुमार टोप्पो और उनके समर्थकों पर क्षेत्र के एक नायब तहसीलदार से कथित मारपीट का आरोप लगने के बाद जिले के प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। घटना सीतापुर के राजापुर उपतहसील कार्यालय की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार विधायक की बहन का जमीन संबंधी एक मामला राजापुर उपतहसील में विचाराधीन है। उक्त प्रकरण में नायब तहसीलदार तुषार मानिकपुरी द्वारा लगातार तारीख दिए जाने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि बुधवार को विधायक की बहन सुनवाई के सिलसिले में कार्यालय पहुंची थीं,जहां किसी बात को लेकर उनकी नायब तहसीलदार से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी अपने भाई विधायक रामकुमार टोप्पो को दी। सूचना मिलते ही विधायक अपने समर्थकों के साथ उपतहसील कार्यालय पहुंचे। इसी दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि नायब तहसीलदार के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना हो गई। घटना की खबर फैलते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में भी नाराजगी देखी जा रही है। मामले को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में किसी पक्ष की ओर से आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था। सूत्रों के अनुसार मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है और पुलिस से भी शिकायत की संभावना जताई जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं भी तेज हो गई हैं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

8 माह तक फरार रहा आरोपी रांची से पकड़ा गया,पीड़िता से 2 लाख रुपए ठगने का भी आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को झारखंड के रांची से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसे तकनीकी विश्लेषण और साइबर सेल की मदद से पकड़ा गया। पुलिस महानिरीक्षक एवं एसएसपी राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले के विभिन्न थानों में दर्ज मामलों के आरोपियों की लगातार धरपकड़ की जा रही है। इसी क्रम में थाना गांधीनगर पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में आरोपी अजय कुमार कंवर निवासी पुछेली,बम्हनीडीह जिला जांजगीर-चांपा को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने सितंबर 2025 में थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी ने स्वयं को अविवाहित बताकर उसके किराये के मकान में रहना शुरू किया। इस दौरान नवंबर 2024 से सितंबर 2025 तक आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में पीड़िता को जानकारी हुई कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और एक बच्चे का पिता भी है। आरोप है कि आरोपी ने पीड़िता को नौकरी से निलंबित होने की बात कहकर उसकी जमा पूंजी से करीब 2 लाख रुपए भी एटीएम के माध्यम से निकाल लिए। पीड़िता के गर्भवती होने पर आरोपी ने शादी से साफ इंकार कर दिया, जिसके बाद पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले में अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने पीड़िता एवं गवाहों के बयान दर्ज किए, मेडिकल परीक्षण कराया तथा अन्य साक्ष्य जुटाए। आरोपी लगातार फरार चल रहा था। करीब 8 माह तक तलाश के बाद साइबर सेल की मदद से पुलिस को आरोपी के रांची में छिपे होने की सूचना मिली।

इसके बाद थाना गांधीनगर की टीम तत्काल रांची रवाना हुई और आरोपी को हिरासत में लेकर अंबिकापुर लाई। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। मेडिकल परीक्षण एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया,जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उपनिरीक्षक धनंजय पाठक सहित थाना गांधीनगर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गंगा दशहरा पर माँ महामाया सरोवर में सजी आस्था की अलौकिक छटा

दीपों की रोशनी और गंगा आरती से भक्तिमय हुआ राजपुर नगर

-संवाददाता-
राजपुर,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर राजपुर नगर स्थित माँ महामाया गंगा दशहरा सरोवर में मंगलवार शाम भव्य गंगा आरती एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साप्ताहिक बाजार स्थल के समीप आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने माँ गंगा का स्मरण कर विधिवत पूजन-अर्चन किया तथा दीपदान कर सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन वार्ड क्रमांक 6 के पार्षद विश्वास गुप्ता एवं नगरवासियों के सहयोग से किया गया। शाम 7 बजे शुरू हुए आयोजन में पूरा सरोवर परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। दीपों से सजे सरोवर का मनमोहक दृश्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। महिलाओं,युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धार्मिक परंपरा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। गंगा आरती माँ महामाया मंदिर के पुजारी राघवेंद्र पांडे एवं नगर के प्रसिद्ध पुजारी विराट महाराज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराई गई। आरती के दौरान 'हर-हर गंगे' और 'जय माँ गंगे' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने सरोवर में दीप प्रवाहित कर परिवार एवं नगर की खुशहाली की प्रार्थना की। हालांकि कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत द्वारा लगाई गई कुछ लाइटें फ्यूज हो जाने से परिसर के कुछ हिस्सों में अंधेरा छा गया,लेकिन श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। लोगों ने दीपों की रोशनी में ही आरती और पूजन जारी रखा।

तेज रफ्तार कार हाईमास्ट पोल से टकराई...युवती की मौत

दो युवक गंभीर,रायपुर रेफर,बिना एयरबैग की कार बनी हादसे की वजह

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

शहर में मंगलवार की देर रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर हाईमास्ट लाइट के पोल से जा टकराई। हादसे में कार सवार 19 वर्षीय युवती की मौत हो गई,जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार शहर के महामाया मंदिर के पास निवासी वर्षा कश्यप (19) पिता स्व. मनोज कश्यप मंगलवार रात बौरीपारा निवासी सागर बेहरा (22) एवं ग्राम क्रांतिप्रकाशपुर निवासी अलीसर अंसारी के साथ स्वीफ्ट कार में घूमने निकली थी। तीनों अग्रसेन चौक होते हुए खरसिया रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान भारत माता चौक के पास स्थित हाईमास्ट लाइट के पोल से कार जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कार सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद घायलों को कार से बाहर निकाला गया और मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। यहां जांच के बाद डॉक्टरों ने वर्षा कश्यप को मृत घोषित कर दिया। वहीं सागर बेहरा और अलीसर अंसारी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रायपुर रेफर कर दिया गया।

कार थी पुरानी,नहीं खुला एयरबैग : बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार हुई स्वीफ्ट कार में एयरबैग नहीं था। टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और अंदर बैठे युवक-युवती फंस गए थे। युवती की मौत के बाद परिजनों में शोक का माहौल है।

महिला विधायक का भाषण सुनकर सहम गए पटवारी-तहसीलदार शिविर में लगाई फटकार

-संवाददाता-
बलरामपुर,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र के मुरकौल में आयोजित समाधान शिविर के दौरान विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने राजस्व विभाग के अधिकारियों पर खुलकर नाराजगी जाहिर की। शिविर में बड़ी संख्या में लंबित राजस्व प्रकरणों और शिकायतों को देखकर विधायक ने पटवारी और तहसीलदारों को जमकर फटकार लगाई। खुले मंच से विधायक ने कहा कि गांवों में जमीन और सीमांकन से जुड़े अधिकांश विवादों की वजह राजस्व अमला बनता है। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा कि पटवारी तो भगवान बन बैठे है उनका जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रह गया है। विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि पटवारी और तहसीलदार अपना एटीट्यूड छोड़कर आम लोगों की समस्याओं का समाधान करें उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जनता को बेवजह दफ्तरों के चक्कर लगवाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक फरीद खान आ0 स्व0 रज्जब खान, जाति मुसलमान,निवासी मोमिनपारा,जयनगर तहसील लटोरी,जिला सूरजपुर, छ0ग0 की ओर से वास्ते मुख्तारआम- इमकान अंसारी पिता शमीम अंसारी, जाति जुलाहा मुसलमान, निवासी इमलीपारा, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -08 मोहल्ला इमलीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2967/1, 2972/1, 2972/2 रकबा 0.002, 0.004, 0.012 हे0 कुल रकबा 0.018 हे0 भूमि को रू0 14,00,000/- चौदह लाख रूपये में अनावेदक/ क्रेता मो0 शमीम अंसारी आ0 मोहिउद्दीन अंसारी, सिद्धिका परवीन अंसारी पति समीम अंसारी,जाति जुलाहा,मुसलमान,निवासी इमलीपारा, अम्बिकापुर,जिला सरगुजा, छ0ग0 के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08.06.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवेन्द्र नाथ त्रिपाठी व अन्य आ0/ पति स्व0 दुर्गा चरण त्रिपाठी जाति, निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-रामानुजगंज रोड़, शीट नम्बर 3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1794/1, 1796/2, 1795/1 रकबा 0.38 3/4 0.11, 0.11 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10.06.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 मई 2026 (घटती-घटना)।

राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय मेडिकल कॉलेज संबद्ध चिकित्सालय, अंबिकापुर स्थित ब्लड सेंटर में जरूरतमंद मरीजों हेतु रक्त की सतत एवं पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सरगुजा द्वारा निरंतर स्वैच्छिक रक्तदान जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवाओं एवं जागरूक नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान हेतु आगे आने की अपील की जा रही है, ताकि किसी भी जरूरतमंद मरीज को रक्त के अभाव का सामना न करना पड़े। इसी क्रम में सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक कुमार झा ने ब्लड सेंटर में रक्त की सतत उपलब्धता बनाए रखने हेतु संचालित अभियान की जानकारी प्राप्त होने पर स्वयं आगे आकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। उनकी इस संवेदनशील एवं प्रेरणादायी पहल ने सरगुजा संभाग सहित पूरे प्रदेश में सकारात्मक एवं मानवीय संदेश प्रसारित किया है। पुलिस महानिरीक्षक श्री झा ने रक्तदान के माध्यम से यह संदेश दिया कि सामाजिक सरोकारों एवं मानव सेवा के कार्यों में समाज के प्रत्येक सक्षम नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उनका यह कार्य प्रशासनिक दायित्वों के साथ मानवीय संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनसेवा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान ऐसा महादान है, जिसके माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। स्वस्थ व्यक्ति द्वारा समय-समय पर किया गया रक्तदान अनेक परिवारों के लिए आशा एवं जीवन का आधार बनता है।

चतुर ग्रामीण के मंसूबे पर पुलिस ने फेरा पानी, घर की बाड़ी में उगाया था गांजा

-संवाददाता-
जशपुर,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लोदाम पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक घर से भारी मात्रा में गांजा और गांजे के पौधे जब्त किए है। मामले में आरोपी विजय सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक लोदाम थाना क्षेत्र के खिखिर टोली गांव में पुलिस को गांजा उगाने और रखने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने आरोपी के घर छापा मारा, जहां से 40 नग गांजा के पौधे बरामद किए गए। इसके अलावा करीब 3 किलो 646 ग्राम गांजा भी जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार बरामद गांजे और पौधों की अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 82 हजार 300 रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जशपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा.प्र.क्र./अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल गोस्वामी आ0 भोला गोस्वामी, उम्र-53 वर्ष, जाति गोस्वामी, निवासी केदारपुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा,(छ0ग0) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक एवं अनावेदकगण अनिता गोस्वामी वगैरह के संयुक्त स्वामित्व व अधिवपत्य की नगर अ0पुर, मोहल्ला केदारपुर, शीट नं. 03 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 1126/4 रकबा 0.001/2 एकड़ एवं प्लॉट नंबर 1127/4 रकबा 0.021/4 एकड़ भूमि है। अनावेदकगण द्वारा उक्त प्लॉट नंबर 1126/4 रकबा 0.001/2 एकड़ में से रकबा 163 वर्गफीट एवं प्लॉट नंबर 1127/4 रकबा 0.021/4 एकड में से रकबा 736 वर्गफीट भूमि का पंजीबद्ध हकत्याग पत्र दिनांक 29.03.2026 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध हकत्याग पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा आवेदित भूखण्ड का नामांतरण किये जाने हेतु पंजीबद्ध हकत्याग पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 10/06/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक-25/05/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

कार्यालय नगर पंचायत पटना, जिला-कोरिया (छ0ग0)

Email.id – cmonppatna@gmail.com

क्रमांक/148/लो.नि.वि./ न.पं. / 2026-27 पटना, दिनांक - 27/05/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम क्षेणी में पंजीकत ठेकेदारों से PWD Build. SOR 01.01. 2015 से प्रभावशील लागत, अधिक या कम प्रतिशत दर पर निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में विस्तृत विवरण छत्तीसगढ़ शासन के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http:/eproc.cgstate.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

S.No.	System Tender No.	Description	Total Probable Amount of Contract (In Lakh)	Last date & time of tender Download
1	191780	Mukti Dham Development Work At Ward no 05 in Municipal Areas of Patna, Chhattisgarh	60.358	22/06/2026 4:00 Pm

टीप :- निविदा से संबंधित समस्त जानकारी कार्यालयीन समय में कार्यालय के सूचना पटल पर अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पटना
जिला - कोरिया (छ.ग.)

CMYK

नेता,पत्रकार या पावर सेंटर? शिवनंदनपुर चुनाव से पहले थाने के बाहर सियासत का महामंच,नारियल पानी में घुली राजनीति

नवीन नगर पंचायत,पुरानी राजनीति और नया संग्राम

- थाने से चुनाव मैदान तक...शिवनंदनपुर में नेता,पत्रकार और राजनीति का 'नारियल संग्राम'
- आर्म्स एक्ट से आमरण अनशन तक,नगर पंचायत चुनाव ने खोले ताकत और पहचान के कई राज...
- शिवनंदनपुर चुनाव से पहले सियासी विस्फोट,एफआईआर, धरना और 'पावर पॉलिटिक्स' का बड़ा खेल
- नेता कौन,पत्रकार कौन? विश्रामपुर धरने ने खड़े किए राजनीति और निष्पक्षता पर सवाल
- नारियल पानी से टूटा अनशन,लेकिन गरम रही राजनीतिः शिवनंदनपुर चुनाव में बढ़ी रही सियासी तकरार

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर 27 मई 2026 (घटती-घटना)। शिवनंदनपुर नगर पंचायत अभी नई-नई बनी ही थी कि राजनीति ने यहां अपना पुराना रंग दिखाना शुरू कर दिया,सरगुजा संभाग की यह इकलौती नवीन नगर पंचायत अब सिर्फ विकास योजनाओं या नगर निर्माण के लिए चर्चा में नहीं है,बल्कि यहां चुनाव से पहले शुरू हुए राजनीतिक महाभारत ने पूरे क्षेत्र का तापमान बढ़ा दिया है, यह चुनाव सामान्य नगरीय निकाय चुनाव के साथ कुछ महीनों बाद भी कराया जा सकता था,अगर चार महीने रुक जाते तो बाकी निकायों के साथ यह चुनाव भी निपट जाता, सरकारी मशीनरी का खर्च बच जाता और नेताओं की ऊर्जा भी,लेकिन लोकतंत्र में कभी-कभी चुनाव से ज्यादा महत्वपूर्ण चुनाव का 'माहौल' होता है,इसलिए अलग से चुनाव हुआ और अब यह छोटा सा नगर पंचायत चुनाव प्रदेश स्तरीय सियासी प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है, भाजपा चाहती है कि नवीन नगर पंचायत का पहला अध्यक्ष उसके खाते में जाए,ताकि सत्ता का संदेश नीचे तक जाए। कांग्रेस चाहती है कि विपक्ष में रहते हुए भी वह यह चुनाव जीतकर यह साबित करे कि जमीन पर उसकी पकड़ अब भी मजबूत है,यानी चुनाव नगर पंचायत का है, लेकिन लड़ाई इगो पंचायत की बन गई है। बता दे की सूरजपुर बिश्रामपुर भाजपा नेताओं की शिकायत पर सूरजपुर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन के खिलाफ बिश्रामपुर थाने में रविवार की रात आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसे लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज,पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव,पूर्व सीएम भूपेश बघेल के अलावा कांग्रेस के प्रदेश से लेकर जिला स्तर के नेता बिश्रामपुर थाने के सामने धरने पर बैठे थे,सिंहदेव मंगलवार की शाम से आमरण अनशन पर जबकि दीपक बैज क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे थे,उन्होंने कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने, बिश्रामपुर टीआई को निलंबित करने तथा भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर करने की मांग की थी,बुधवार को ये तीनों मांगें मान ली गई,इसके बाद नारियल पानी पिलाकर आमरण अनशन व क्रमिक भूख हड़ताल समाप्त किया गया।

विवाद की शुरुआत,चुनाव से पहले चिंगारी

1 जून को चुनाव होना है,लेकिन उससे पहले ही माहौल ऐसा गरमा गया मानो मतदान नहीं बल्कि विधानसभा का शक्ति परीक्षण होने वाला हो,भाजपा समर्थकों और कांग्रेस समर्थकों के बीच विवाद हुआ,आरोप लगे कि कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने गाली-गलौज की और किसी औजार या हथियार जैसी वस्तु निकालकर डराने की कोशिश की, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया,बस फिर क्या था राजनीति में एफआईआर कभी सिर्फ एफआईआर नहीं होती,वह सम्मान,प्रभाव और शक्ति का प्रश्न बन जाती है,कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जब विवाद दो पक्षों के बीच हुआ तो कार्रवाई सिर्फ एक तरफ क्यों? अगर हथियार दिखाया गया तो उसका सबूत कहां है? बरामदगी कहां है? जांच कहां है? और अगर कुछ मिला ही नहीं तो फिर आर्म्स एक्ट क्यों? यहीं से मामला कानूनी कम और राजनीतिक ज्यादा हो गया।

थाना बना लोकतंत्र का नया धरना स्थल

विश्रामपुर थाना अचानक राजनीतिक तीर्थस्थल बन गया,कांग्रेस कार्यकर्ता थाने के बाहर जमा हो गए। नारे लगे,भाषण हुए,पुलिस पर आरोप लगे और धीरे-धीरे धरना एक बड़े शक्ति प्रदर्शन में बदल गया,फिर दृश्य ऐसा बना जिसे देखकर आम जनता भी समझ गई कि मामला अब 'स्थानीय विवाद' से ऊपर उठ चुका है,दीपक बैज पहुंचे,टी. एस. सिंहदेव पहुंचे,भूपेश बघेल पहुंचे,अमरजीत भगत पहुंचे,पूर्व मंत्री,विधायक,जिला अध्यक्ष,कार्यकर्ता पूरा काफिला थाने के बाहर उतर आया,जिस थाने में आम आदमी अपनी रिपोर्ट लिखवाने घंटों बैठा रहता है वहां अब नेताओं के भाषण,नारे और मीडिया कैमरे चमक रहे थे।

धरना,अनशन और राजनीति का नारियल मॉडल

धरना बढ़ा तो कांग्रेस ने इसे आंदोलन का रूप दे दिया,टीएस सिंहदेव आमरण अनशन पर बैठ गए,दीपक बैज ने भूख हड़ताल शुरू कर दी, राजनीति में भूख हड़ताल एक ऐसा हथियार है जिसमें भूख कम और संदेश ज्यादा दिखाई देता है,रात के दो-दो बजे तक नेता थाने के बाहर बैठे रहे, कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर लाइव चलाते रहे,समर्थक इसे लोकतंत्र की लड़ाई बताते रहे और विरोधी इसे चुनावी स्टंट कहते रहे,फिर आखिरकार प्रशासन और कांग्रेस नेताओं के बीच बातचीत हुई,आश्वासन मिला कि भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी एफआईआर होगी, जांच डीएसपी स्तर के अधिकारी करेंगे और फिलहाल नरेंद्र जैन की गिरफ्तारी नहीं होगी, बस फिर आंदोलन समाप्त हो गया,और आंदोलन खत्म भी कैसे हुआ? कोई क्रांतिकारी घोषणा नहीं, कोई ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं...बल्कि नारियल पानी से,दीपक बैज और टीएस सिंहदेव ने एक-दूसरे को नारियल पानी पिलाया और आंदोलन समाप्त हो गया,लोकतंत्र में यह शायद पहला मौका नहीं होगा जब तीन दिन की राजनीतिक गर्मी का अंत ठंडे नारियल पानी से हुआ हो।

भूपेश बघेल की चेतावनी और राजनीतिक संदेश

धरने के दौरान भूपेश बघेल ने मंच से पुलिस अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जब उनकी सरकार आएगी तो ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई होगी,यह बयान केवल पुलिस के लिए नहीं था,बल्कि आने वाले चुनावों के लिए राजनीतिक संदेश भी था,कांग्रेस यह दिखाना चाहती थी कि वह विपक्ष में रहते हुए भी संघर्ष की राजनीति कर रही है,वहीं भाजपा समर्थक इसे दबाव की राजनीति बता रहे थे।

सबसे बड़ा सवाल आखिर नरेंद्र जैन हैं कौन?

इस पूरे आंदोलन के बाद सबसे ज्यादा चर्चा किसी एफआईआर की नहीं, बल्कि एक पहचान की होने लगी,लोग पूछने लगे क्या नरेंद्र जैन कांग्रेस नेता हैं? क्या वे पत्रकार हैं? क्या वे व्यवसायी हैं? या फिर तीनों भूमिकाओं का ऐसा 'कॉम्बो पैक' हैं जिसमें हर परिस्थिति के अनुसार पहचान बदल जाती है? यहीं से बहस और तीखी हो गई,पत्रकारों के बीच चर्चा शुरू हुई कि क्या कोई व्यक्ति सक्रिय राजनीति में रहकर पत्रकारिता की निष्पक्षता निभा सकता है? राजनीतिक विरोधियों ने कहा कि पत्रकारिता का इस्तेमाल प्रभाव बनाने के लिए किया जा रहा है,समर्थकों ने कहा कि किसी व्यक्ति का सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्रिय होना गलत नहीं,लेकिन जनता ने इस पूरे मामले में सबसे व्यंग्यात्मक निष्कर्ष निकाला जिसके समर्थन में पूरा विपक्ष थाने के बाहर बैठ जाए, उसकी ताकत समझने के लिए अलग परिचय की जरूरत नहीं।

राजनीति में 'पावर' का प्रदर्शन

यह पूरा मामला केवल कानूनी विवाद नहीं रहा,यह राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन बन गया,संदेश साफ था हमारे आदमी को हाथ लगाया तो पूरा संगठन सड़क पर उतर आएगा,यानी नगर पंचायत चुनाव से पहले ही दोनों दलों ने अपनी-अपनी ताकत दिखा दी,भाजपा प्रशासनिक कार्रवाई का समर्थन करती दिखी,जबकि कांग्रेस इसे राजनीतिक प्रताड़ना बताकर मैदान में उतर गई, इस पूरे घटनाक्रम ने यह भी दिखा दिया कि छोटे शहरों और कस्बों की राजनीति अब पहले जैसी शांत नहीं रही,यहां भी अब वही सब हो रहा है जो बड़े राजनीतिक मंचों पर दिखता है धरना,प्रदर्शन,अनशन, मीडिया मैनेजमेंट,सोशल मीडिया युद्ध और शक्ति प्रदर्शन।

शिवनंदनपुर चुनाव अब सिर्फ चुनाव नहीं रहा- अब यह चुनाव केवल अध्यक्ष चुनने का चुनाव नहीं रह गया है,यह सत्ता बनाम विपक्ष, प्रशासन बनाम आंदोलन और प्रभाव बनाम निष्पक्षता की लड़ाई बन चुका है,नगर पंचायत का पहला अध्यक्ष कौन बनेगा, यह तो 1 जून के बाद तय होगा, लेकिन उससे पहले ही इस चुनाव ने कई चेहरे और कई रिश्ते उजागर कर दिए हैं।

जनता क्या देख रही है?

सबसे दिलचस्प बात यह है कि आम जनता इस पूरे घटनाक्रम को बहुत ध्यान से देख रही है,जनता समझ रही है कि किसके पास कितनी ताकत है, कौन कितना प्रभाव रखता है और किसकी आवाज पर पूरा राजनीतिक कुनबा सड़क पर उतर आता है, लेकिन जनता यह भी पूछ रही है क्या नगर पंचायत चुनाव का मुद्दा विकास होगा? या फिर पूरा चुनाव एफआईआर,धरना और राजनीतिक प्रतिष्ठा के इर्द-गिर्द घूमेगा?

अंत में...शिवनंदनपुर का यह चुनाव अब लोकतंत्र से ज्यादा लोक

ड्रामा बन चुका है,थाना राजनीतिक मंच बन गया,धरना शक्ति प्रदर्शन बन गया और नारियल पानी आंदोलन का समापन गीत,लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने एक बात साफ कर दी,छोटे कस्बों की राजनीति अब बिल्कुल छोटी नहीं रही। यहां भी अब पहचान,प्रभाव,मीडिया और सत्ता सब एक-दूसरे में ऐसे घुल चुके हैं कि यह तय करना मुश्किल हो गया है कि कौन नेता है,कौन पत्रकार और कौन सिर्फ दर्शक,फिलहाल शिवनंदनपुर इंतजार कर रहा है 1 जून का...जहां जनता वोट डालेगी, लेकिन असली मुकाबला शायद पहले ही शुरू हो चुका है।

04 जून को होगी प्री. डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा...जिले में 36 परीक्षा केंद्र बनाए गए 11841 अभ्यर्थी होंगे परीक्षा में शामिल

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,27 मई 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापमं) द्वारा आगामी 04 जून 2026 को प्री. डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। है। यह परीक्षा पूर्वाह्न 10:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। जिले में परीक्षा कुल 36 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी तथा परीक्षा में कुल 11,841 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

परीक्षार्थियों हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश : परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचे, ताकि फ्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। अतः मुख्य द्वार प्रातः 09:30 बजे बंद कर दिया जावेगा। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आएं। काला, गहरा नीला, गहरा हरा, जामुनी, मैरून, बैंगनी एवं गहरा चॉकलेटी रंग वर्जित होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटवियर में केवल चप्पल पहनें, कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित। परीक्षा कक्ष में संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, बेल्ट, स्कार्फ, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही और अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी। परीक्षार्थी केवल नीले या काले बॉल पेन साथ ही में लेकर आएं।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 बैदुल पिता स्व. अब्दुल रशीद जाति मुसलमान निवासी खरसिया नाका अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2528 / 2 मेसे रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में हिब्बानामा के आधार पर अनावेदिका का नाम विलोपित कर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 08.06.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 बैदुल पिता स्व. अब्दुल रशीद जाति मुसलमान निवासी खरसिया नाका अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2528 / 1 रकबा 0.040 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में हिब्बानामा के आधार पर अनावेदिका का नाम विलोपित कर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 08.06.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अल्ताफ अली आ0 शमसुद्दीन इद्रीसी निवासी कोरिया कॉलरी चिरमिरी, तहसील चिरमिरी जिला कोरिया छ0ग0 के द्वारा ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नं0 107/6 रकबा 0.048 हे0 भूमि को अनावेदिका श्रीमती हसीना खातुन पति मो0 शमसुद्दीन इद्रीसी द्वारा हिब्बानामा किये जाने के कारण राजस्व अभिलेखों में अनावेदिका का नाम विलोपित कर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 08/06/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 19/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3

न्यायालय नायब तहसीलदार रघुनाथपुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र./ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रभा आ0 इन्दरसाय जाति उरांव निवासी बहेरापारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा इस आशय से आवेदन किया है कि मेरे पिता स्व0 इन्दरसाय की मृत्यु दिनांक 10/08/1997 को ग्राम बांसा थाना व तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा (छ0ग0) में हुआ है। जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, स्वयं का शपथ पत्र, चालान की मुलप्रति की प्रति सलग्न कर आवेदन पेश किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वंम या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 29/05/2026 तक मेरे न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार उप तहसील रघुनाथपुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भौरा एक्का आ0. हुकरा निवासी परसा थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने माता स्व. सुखो आ0 पति हुकरा की दिनांक 20/10/1992 को स्थान पचफेडी (बहेरापारा) में हुई है

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भौरा एक्का आ0. हुकरा निवासी परसा थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने भाई स्व. लालजी आ0 हुकरा की दिनांक 15/07/2008 को स्थान पचफेडी (बहेरापारा) में हुई है

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

रामकथा के मंच से रामराज्य तक की दूरी

चिरमिरी में सात दिन चली कथा, लेकिन क्या सात मिनट भी बदला समाज?

सात दिन रामकथा, आठवें दिन वही राजनीति! चिरमिरी में रामराज्य से पहले शुरू हो गया बयान युद्ध

>> राम सुनने वालों का हृदय बदला या सिर्फ़ फेसबुक स्टेटस? चिरमिरी की कथा के बाद बड़ा सवाल...

>> मंच पर राम,बाहर वही काम! कथा खत्म होते ही लौट आई पुरानी व्यवस्था

>> करोड़ों की रामकथा के बाद क्या बदला? चिरमिरी में अब भी रामराज्य तलाश रहा समाज

>> रामभद्राचार्य की कथा में उमड़ी भीड़, लेकिन क्या राम लोगों के व्यवहार में उतरे?

>> जय श्रीराम के नारों से गूंजा चिरमिरी, पर क्या भ्रष्टाचार और राजनीति भी हुई शांत?

>> रामकथा में आंसू बहाए,बाहर निकलते ही फिर वही स्वार्थ! आखिर कथा का असर कहां गया?

>> कथा खत्म,कटाक्ष शुरू! 'जगद्गुरु' की बहस में उलझ गया चिरमिरी

>> रामराज्य का सपना या धार्मिक ब्रांडिंग का महोत्सव? चिरमिरी की कथा पर उठे तीखे सवाल...

>> राम को सुनना आसान,राम जैसा बनना कठिन – चिरमिरी की कथा ने छोड़ दिए कई सवाल...

-रवि सिंह-

एमसीबी/चिरीमिरी, 27 मई 2026 (घटती-घटना)।

नवीन जिला एमसीबी के चिरमिरी पिछले कुछ दिनों से भक्ति,धर्म,राजनीति और बयान बाज़ी के एक ऐसे संगम का केंद्र बना रहा,जहां मंच पर भगवान राम के आदर्शों की गंगा बहाई गई,लेकिन कथा समाप्त होते-होते वही पुरानी सामाजिक और राजनीतिक धूल फिर उड़ने लगी, सात दिनों तक चली भव्य रामकथा में देश के प्रसिद्ध संत जगदुरु श्री रामभद्राचार्य ने राम के जीवन,मर्यादा,त्याग,धर्म और आदर्शों पर विस्तृत प्रवचन दिया, हजारों की भीड़ उमड़ी,जय श्रीराम के नारे लगे, मंचों पर फूल बरसे,नेताओं ने चरण स्पर्श किए,श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया और सोशल मीडिया पर भक्ति की ऐसी बाढ़ आई कि मानो चिरमिरी में कुछ समय के लिए सचमुच रामराज्य उतर आया हो, लेकिन कथा समाप्त होने के बाद शहर में एक सवाल तेजी से घूमने लगा क्या रामकथा सिर्फ़ आयोजन बनकर रह गई है? क्या राम अब सिर्फ़ पोस्टर, मंच और नारे तक सीमित हो चुके हैं? और सबसे बड़ा सवाल,क्या इतने बड़े धार्मिक आयोजन के बाद भी समाज वही रहेगा जैसा पहले था?

कथा समाप्त होने से एक दिन पहले शुरू हुई राजनीतिक कथा

रामकथा खत्म हुई नहीं कि राजनीतिक बयानबाज़ी शुरू हो गई,कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष नेताओं ने जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य को जगद्गुरु मानने से ही इंकार कर दिया और टिप्पणी कर दी कि जगतगुरु तो दूर,गांव का गुरु भी नहीं मानते,बस फिर क्या था,धर्म की चर्चा अचानक उपाधियों की बहस में बदल गई,जब यह बयान संत तक पहुंचा तो उन्होंने भी प्रतिक्रिया दी,उन्होंने विस्तार से बताया कि जगद्गुरु किसे कहा जाता है,उसकी क्या योग्यताएं होती हैं और क्यों वे स्वयं उस उपाधि के अधिकारी हैं,यानी कथा के बाद अब चर्चा राम के आदर्शों की नहीं,बल्कि जगद्गुरु कौन की होने लगी,यह दृश्य भी कम दिलचस्प नहीं था,सात दिन तक मंच से लोगों को अहंकार त्यागने का संदेश दिया गया और कथा समाप्त होने से एक दिन पहले समाज फिर अहंकार,राजनीति और आरोप-प्रत्यारोप में उलझ गया।

रामकथा का असर अगर व्यवहार में नहीं दिखा तो क्या लाभ?

धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को बेहतर बनाना होता है, अगर कथा सुनने के बाद कोई व्यक्ति झूठ कम बोले, रिश्वत लेना छोड़ दे,दूसरों की मदद करने लगे और अपने व्यवहार में सुधार लाए तभी कथा सफल मानी जाएगी, लेकिन अगर कथा सिर्फ़ भीड़, प्रचार,मंच और राजनीतिक तस्वीरों तक सीमित रह जाए, तो फिर वह आध्यात्मिक कम और सामाजिक आयोजन अधिक लगती है,चिरमिरी की इस कथा के बाद अब शहर के लोगों की नजर इस बात पर रहेगी कि क्या वास्तव में कोई परिवर्तन आता है,क्या लोग अब धर्म को सिर्फ़ नारे में नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारेंगे? क्या राम सिर्फ़ मंचों पर नहीं, बल्कि जीवन में भी दिखाई देंगे?

सबसे बड़ा प्रश्न अभी बाकी है...

कथा समाप्त हो चुकी है,पंडाल धीरे-धीरे खाली हो रहे हैं, पोस्टर उतर जाएंगे,फेसबुक पोस्टें पुरानी हो जाएंगी,लेकिन एक प्रश्न अभी भी हवा में तैर रहा है क्या इस कथा के बाद चिरमिरी बदलेगा? क्या अब यहां भ्रष्टाचार कम होगा? क्या राजनीति में कटुता घटेगी? क्या धर्म का उपयोग वोट और प्रसिद्धि से ऊपर उठ पाएगा? क्या लोग राम को सिर्फ़ सुनेंगे नहीं, बल्कि थोड़ा-बहुत जीने की कोशिश भी करेंगे? क्योंकि सच यही है कि रामकथा का उद्देश्य सिर्फ़ भगवान राम की कहानी सुनाना नहीं,बल्कि मनुष्य के भीतर छिपे हुए राम को जगाना है,अब देखना यह है कि चिरमिरी की इस भव्य कथा ने लोगों के भीतर मर्यादा जगाई है या सिर्फ़ मंच पर जयकारे।

दूरदर्शन की रामायण से आधुनिक धार्मिक उद्योग तक का सफर

एक समय था जब रामायण प्रसारित होती थी तो पूरा देश रुक जाता था,लोग टीवी के सामने बैठकर भगवान राम के जीवन को देखते थे और अपने बच्चों को बताते थे कि देखो बेटा,ऐसे होते हैं आदर्श,उस दौर में रामायण सिर्फ़ मनोरंजन नहीं थी,बल्कि सामाजिक शिक्षा का माध्यम थी,लोग पात्रों को पूजते थे,कलाकारों के चरण छूते थे और मानते थे कि राम के आदर्श समाज बदल देंगे,लेकिन समय बदला,अब रामायण टीवी से उतरकर भव्य पंडालों में आ चुकी है,कथाएं अब आध्यात्मिकता के साथ-साथ प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुकी हैं,जहां पहले कथा का उद्देश्य आत्मशुद्धि होता था,वहीं अब आयोजन की भव्यता,मंच की ऊंचाई, संत की लोकप्रियता और भीड़ की संख्या सफलता का पैमाना बन गई है,चिरमिरी की यह कथा भी कुछ वैसी ही रही,शहर में बड़े-बड़े पोस्टर लगे,मंच सजा,विशाल पंडाल तैयार हुआ,व्हीआईपी व्यवस्था बनी,नेताओं की उपस्थिति दर्ज हुई और हजारों लोग कथा सुनने पहुंचे,कोई पूरे सात दिन बैठा रहा,तो कोई सिर्फ़ मंच तक पहुंचकर फोटो खिंचवाकर लौट गया,किसी ने कथा सुनी,किसी ने सिर्फ़ सेल्फी ली,किसी ने संत का आशीर्वाद लिया और किसी ने फेसबुक पर लिख दिया आज पूज्य गुरुदेव के दर्शन का सौभाग्य मिला, लेकिन इसी भीड़ के बीच एक बूढ़ा सवाल फिर सिर उठाने लगा क्या कथा सुनने से सचमुच जीवन बदलता है?

राम को सुनना आसान,राम को जीना कठिन

भगवान राम का जीवन त्याग,सत्य,मर्यादा और न्याय का प्रतीक माना जाता है,उन्होंने राजपाट छोड़ा,वनवास स्वीकार किया, पिता के वचन की रक्षा की और प्रजा के लिए स्वयं का सुख त्याग दिया, लेकिन आज का समाज राम के नाम पर जयकारे तो लगाता है, पर क्या उनके आदर्शों पर चलना चाहता है? रामकथा में बैठे कई लोग अगले ही दिन अपने दफ्तरों में रिश्वत लेते दिखाई देते हैं, कथा में सत्य बोलो सुनने वाले लोग व्यापार में झूठ बोलते हैं, दूसरों का सम्मान करो सुनने वाले सोशल मीडिया पर गालियां देते हैं, धर्म का पालन करो सुनने वाले कमजोरों का हक मारते हैं, ऐसा लगता है जैसे कथा खत्म होते ही लोग राम को पंडाल में छोड़कर बाहर निकल आते हैं, चिरमिरी की कथा ने भी यही सवाल पैदा किया, सात दिनों तक हजारों लोगों ने राम के आदर्श सुने,लेकिन क्या अब शहर में भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा? क्या अधिकारी रिश्वत लेना बंद कर देंगे? क्या नेता झूठे वादे छोड़ देंगे? क्या समाज में कटुता कम होगी? या फिर कथा के अगले ही दिन सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा?

रामराज्य की कल्पना या धार्मिक आयोजन की राजनीति?

रामराज्य शब्द सुनते ही लोगों के मन में आदर्श शासन की छवि आती है, ऐसा राज्य जहां न्याय हो,भय न हो,भ्रष्टाचार न हो और जनता सुखी हो,लेकिन आज रामराज्य का सबसे ज्यादा उपयोग भाषणों और नारों में दिखाई देता है,चिरमिरी में हुए इस आयोजन पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च होने की चर्चा रही,हालांकि आधिकारिक आंकड़े सामने नहीं आए,लेकिन भव्य व्यवस्थाओं को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं था कि आयोजन बेहद बड़े स्तर पर हुआ,अब सवाल उठने लगे की अगर इतने पैसे शिक्षा, अस्पताल, गरीबों की मदद या शहर की समस्याओं पर खर्च होते तो क्या समाज को ज्यादा फायदा नहीं मिलता? क्या रामराज्य सिर्फ़ मंच सजाने और नारे लगाने से आएगा? क्या रामराज्य का मतलब सिर्फ़ धार्मिक आयोजन है या सामाजिक ईमानदारी भी? कई लोगों का मानना है कि रामकथा का वास्तविक उद्देश्य समाज में नैतिकता पैदा करना होना चाहिए, अगर कथा सुनने के बाद भी वही भ्रष्टाचार,वही कमीशनखोरी, वही स्वार्थ और वही राजनीतिक द्वेष चलता रहे, तो फिर कथा सिर्फ़ एक वार्षिक उत्सव बनकर रह जाती है।

भक्ति कम,ब्रांडिंग ज्यादा?

आज के दौर में धर्म भी धीरे-धीरे प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा है,कथा में पहुंचना अब सिर्फ़ श्रद्धा का विषय नहीं रहा, बल्कि सामाजिक उपस्थिति का हिस्सा भी बन चुका है,नेता कथा में इसलिए दिखते हैं क्योंकि वहां भीड़ होती है,व्यापारी इसलिए दान देते हैं क्योंकि प्रतिष्ठा मिलती है,लोग इसलिए फोटो डालते हैं क्योंकि धार्मिक छवि बनती है,कई लोग कथा में ऐसे शामिल होते हैं जैसे किसी बड़े सांस्कृतिक महोत्सव में आए हों,व्हीआईपी कुर्सियां,मंच तक पहुंच,संत के साथ फोटो और सोशल मीडिया पोस्ट यही आधुनिक भक्ति का नया रूप बनता जा रहा है,कुछ लोग कथा में रोते भी हैं,भावुक भी होते हैं,लेकिन बाहर निकलते ही ट्रैफिक में किसी गरीब रिक्शेवाले पर चिल्लाते हुए दिखाई देते हैं, यही आधुनिक धार्मिकता का सबसे बड़ा विरोधाभास है।

CMYK

सुपर कॉप का सुपर प्रमोशन मॉड में वर्दी में 'मैनेजमेंट गुरु' या सिस्टम का सबसे बड़ा खिलाड़ी?, मनेन्द्रगढ़ की गलियों में घूमती कहानी और वर्दी के भीतर पलता 'जुगाड़ तंत्र'

सुपर कॉप का सुपर जुगाड़ में प्रमोशन की सीढ़ी या सिस्टम की सीढ़ीदार चोरी?

सुपर कॉप का सुपर जुगाड़ वर्दी में वसूली,प्रमोशन में सेटिंग!
पहले वसूली, फिर ड्यूटी,एएसआई बनने का 'सुपर कॉप मॉडल'!
कोरिया से एमसीबी तक प्रमोशन की सीढ़ी या जुगाड़ का पुल?
वर्दी के भीतर का 'मैनेजमेंट गुरु' सूची में ऊपर आने का मास्टर प्लान!
सहानुभूति,सेटिंग और सुपर कॉप का प्रमोशन का नया फार्मूला चर्चा में वायरल!
थाने का सुपर खिलाड़ी जहां हफ्ता ही असली योग्यता बन गया!
एएसआई बनने की ऐसी भूख कि सिस्टम भी पड़ गया कमजोर!
सुपर कॉप का खेल ईमानदार पीछे,जुगाड़ वाले आगे!
मनेन्द्रगढ़ मॉडल में पहले हिस्सा पहुंचाओ,फिर कानून चलाओ!
वर्दी,वसूली और वायरल चर्चाएं,आखिर किसके संरक्षण में चल रहा खेल?

तुलनात्मक चित्र : आदर्श पुलिस बनाम 'मैनेज पुलिस'

विषय	आदर्श व्यवस्था	चर्चाओं में सामने आ रही तस्वीर
प्रमोशन	सेवा और योग्यता आधारित	नेटवर्क और जुगाड़ आधारित
कानून व्यवस्था	अवैध कारोबार पर रोक	हिस्सेदारी आधारित नियंत्रण
मीडिया	निगरानी तंत्र	मैनेजमेंट का विषय
अधिकारी	अनुशासन के प्रतीक	मौन दर्शक
जनता	सुरक्षा की उम्मीद	व्यवस्था से निराश

यह तालिका किसी विभागीय दस्तावेज का हिस्सा नहीं,बल्कि जनता की उस सोच का आईना है जो धीरे-धीरे सिस्टम पर भरोसा खोती जा रही है...

-रवि सिंह-
मनेन्द्रगढ़,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ की शाम इन दिनों बड़ी दिलचस्प हो चली है, पान ठेलों पर तंबाकू कम घुल रहा है और चर्चाएं ज्यादा,चाय दुकानों में दूध से ज्यादा सूत्र उबल रहे हैं, लोग क्रिकेट,महंगाई और मौसम छोड़ अब पुलिस विभाग के उस सुपर कॉप की कहानी सुनाने में लगे हैं, जिसने कथित तौर पर प्रधान आरक्षक से एएसआई बनने के लिए ऐसा मास्टर प्लान बनाया कि कॉर्पोरेट कंपनियों के एचआर विभाग भी नोट्स लेने बैठ जाएं, कहानी में ट्विस्ट भी है,ड्रामा भी, सहानुभूति भी, अफवाह भी और सबसे महत्वपूर्ण जुगाड़ तंत्र का ऐसा प्रयोग, जो बताता है कि सरकारी सिस्टम में फाइलें नियमों से कम और सेटिंग से ज्यादा चलती हैं,चर्चा यह है कि संबंधित कर्मचारी कोई साधारण खिलाड़ी नहीं है विभाग में उन्हें सुपर कॉप कहने वाले भी कम नहीं हैं,हालांकि यह सुपर शब्द बहादुरी के लिए इस्तेमाल हो रहा है या सुपर वसूली कौशल के लिए, यह जनता अभी तय नहीं कर पाई है।

कोरिया से जशपुर,फिर एमसीबी, ट्रांसफर नहीं,प्रमोशन यात्रा!

सूत्रों की मानें तो कहानी की शुरुआत तब हुई जब एक तत्कालीन आईजी ने इस कथित सुपर कॉप की कार्यशैली को समझ लिया,कहते हैं कि उनके कारनामों की फाइलें इतनी मोटी हो चुकी थीं कि विभागीय अलमारी भी कराह उठी थी,नतीजा की कोरिया से जशपुर भेज दिया गया, लेकिन यहां कहानी खत्म नहीं हुई,बल्कि असली मैनेजमेंट स्किल यहीं से शुरू हुई, बताया जाता है कि आईजी बदलते ही जुगाड़ तंत्र एक्टिव हुआ,ऐसा नेटवर्क चला कि छह महीने के भीतर ही जनाब ने फिर वापसी कर ली और एमसीबी जिले में एंट्री मार दी,मानो ट्रांसफर आदेश नहीं, आईपीएल ऑक्शन चल रहा हो जहां खिलाड़ी अपनी पसंदीदा टीम में पहुंचने के लिए हर रणनीति अपनाता है,और यहां सबसे बड़ा सवाल यही है आखिर एमसीबी ही क्यों?

सारे पत्रकार मैनेज हैं यह बयान ज्यादा डरावना है...

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे खतरनाक हिस्सा वह कथित बयान है,जिसमें कहा गया कि सारे पत्रकार मैनेज हैं दो-तीन खबर छापते हैं तो उससे फर्क नहीं पड़ता यह सिर्फ एक बयान नहीं,यह सिस्टम की मानसिकता का एक्स-रे है,जब कोई अधिकारी या कर्मचारी इस आत्मविश्वास में आ जाए कि खबरें उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकतीं,तब समझ लीजिए कि उसे कहीं न कहीं संरक्षण का भरोसा है,और यही वह स्थिति है जहां लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी दबाव में दिखने लगता है,हालांकि यह भी सच है कि कुछ पत्रकार आज भी खबरें लिख रहे हैं,वे दबाव झेल रहे हैं, उपेक्षा झेल रहे हैं,लेकिन सवाल पूछना नहीं छोड़ रहे, वरना कई जगहों पर तो प्रेस नोट ही पत्रकारिता बन चुका है।

उच्च अधिकारी मौन क्यों?

अब सबसे बड़ा प्रश्न यही है की क्या वरिष्ठ अधिकारियों तक ये चर्चाएं नहीं पहुंच रहीं? अगर नहीं पहुंच रहीं,तो खुफिया तंत्र क्या कर रहा है? अगर पहुंच रही हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? या फिर सिस्टम ने यह मान लिया है कि जब तक मामला वायरल न हो,तब तक सब सामान्य है? जनता की सबसे बड़ी परेशानी यही है कि कार्रवाई अक्सर तब होती है जब मामला हाथ से निकल चुका होता है, उससे पहले सबकुछ अंदरूनी जांच के नाम पर ठंडे बस्ते में रहता है।

मंत्री जी के जिले में यह हाल?

यह मामला इसलिए भी ज्यादा चर्चा में है क्योंकि क्षेत्र मंत्री जी के प्रभाव वाले इलाके से जुड़ा माना जाता है,आम तौर पर जनता को लगता है कि जहां मंत्री का प्रभाव होगा,वहां प्रशासन ज्यादा सतर्क रहेगा,लेकिन अगर उसी इलाके में ऐसी चर्चाएं आम हो जाएं,तो विपक्ष को मुद्दा और जनता को निराशा दोनों मिल जाते हैं,लोग पूछ रहे हैं क्या मंत्री जी तक यह सब नहीं पहुंच रहा? अगर पहुंच रहा है तो कार्रवाई क्यों नहीं? और अगर नहीं पहुंच रहा,तो आखिर उनके आसपास सूचना तंत्र कर क्या रहा है?

चर्चा,अफवाह या सच्चाई?

यह पूरी खबर उन चर्चाओं पर आधारित है जो इन दिनों मनेन्द्रगढ़ और आसपास के इलाकों में तेजी से फैल रही हैं,इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की जा सकती,लेकिन चर्चा इसलिए मजबूत हो जाती है क्योंकि लोग उदाहरण भी देने लगते हैं,जब किसी व्यक्ति की कार्यशैली पहले से विवादों में रही हो,तब उसके बारे में उड़ने वाली हर नई चर्चा लोगों को आसानी से सच लगने लगती है,यही वजह है कि अब लोग खुलेआम कहने लगे हैं जहां इतना धुआं है,वहां आग भी जरूर होगी।

वर्दी की चमक या सिस्टम का अंधेरा?

आखिर में सवाल सिर्फ एक कर्मचारी का नहीं है, सवाल उस सिस्टम का है जिसने ऐसे किरदारों को सुपर कॉप बनने का मौका दिया,अगर विभाग में ईमानदार और शांत कर्मचारी पीछे रह जाएंगे,और मैनेजमेंट विशेषज्ञ आगे बढ़ेंगे,तो आने वाले समय में पुलिस व्यवस्था सेवा से ज्यादा सौदेबाजी का केंद्र बन जाएगी,क्योंकि वर्दी की असली ताकत कानून होती है, लेकिन जब वर्दी की ताकत जुगाड़ बन जाए,तब जनता का भरोसा सबसे पहले मरता है,और जिस दिन जनता का भरोसा खत्म हो जाता है,उस दिन सिर्फ सिस्टम नहीं टूटता–लोकतंत्र भी कमजोर पड़ने लगता है।

एमसीबी नया जिला,नया मौका,पुराना खेल...

चर्चा यह है कि एमसीबी जिले को चुनने के पीछे भावनात्मक कारण नहीं, बल्कि गणितीय कारण थे,नया जिला, सीमित प्रतिस्पर्धा और प्रमोशन सूची में ऊपर पहुंचने की संभावना,सूत्र बताते हैं कि कुछ कर्मचारी इतने सीधे-साधे हैं कि उन्हें तीन-पांच से मतलब नहीं,वे न लॉबिंग करते हैं,न अधिकारियों के आसपास मंडराते हैं,न रोज सलामी की एक्स्ट्रा लेयर चढ़ाते हैं,ऐसे लोग प्रमोशन की दौड़ में अक्सर खुद ही पीछे रह जाते हैं, और यहीं सुपर कॉप का सुपर दिमाग सक्रिय हुआ,बताया जा रहा है कि गणित ऐसा बैठाया गया कि जो लोग चुप रहेंगे,उनका नंबर नीचे जाएगा और जो सिस्टम को समझते हैं,उनका नाम सूची में ऊपर चढ़ जाएगा, यानी विभागीय प्रमोशन सूची अब सेवा पुस्तिका से कम और रणनीतिक प्लानिंग डॉक्यूमेंट ज्यादा लगने लगी है।

मैं सब बेचकर जा रहा हूं ये सहानुभूति का सिनेमाई ट्रेलर

अब आते हैं कहानी के सबसे फिल्मी हिस्से पर,जब जनाब बैकुंठपुर से बोरिया-बिस्तर समेटकर निकले,तो चर्चा उड़ाई गई की मैं घर-द्वार बेच रहा हूं अब यहां नहीं आऊंगा कुछ लोगों ने आंखें नम कर लीं,कुछ ने अफसोस जताया,कुछ ने कहा देखो बेचारा कितना परेशान है,लेकिन जो लोग विभागीय राजनीति को समझते हैं,वे मुस्कुरा रहे थे,क्योंकि उन्हें पता था कि यह संवाद किसी दुःखी कर्मचारी का नहीं,बल्कि सहानुभूति प्रबंधन का हिस्सा भी हो सकता है,दरअसल,यह पुरानी तकनीक है पहले खुद को पीड़ित दिखाओ, फिर सिस्टम में जगह मजबूत करो,राजनीति में इसे इमोशनल कार्ड कहते हैं,विभागों में इसे सिंपैथी मैनेजमेंट कहा जाता है।

कोतवाली का नया मॉडल,पहले हिस्सा,फिर व्यवस्था

मनेन्द्रगढ़ में चर्चा सिर्फ प्रमोशन तक सीमित नहीं है,चर्चा उस कथित वसूली मॉडल की भी है,जिसने पुराने सिस्टम को आधुनिक बना दिया, पहले कहा जाता था कि हफ्ते में वसूली होती थी,अब चर्चा है कि मॉडल अपग्रेड हो गया है डेली कलेक्शन सिस्टम लागू है,यानी जैसे मोबाइल कंपनियां रोजाना डेटा प्लान देती हैं,वैसे ही अब अवैध कारोबारियों के लिए प्रतिदिन भुगतान योजना चल रही है,कहा जा रहा है कि दिन शुरू होने से पहले हिस्सा तय जगह पहुंचना चाहिए,उसके बाद काम चलेगा,यानी कानून अब किताबों से नहीं,भुगतान समय पर होने से संचालित हो रहा है,और यह सब इसलिए ताकि ऊपर किसी प्रकार का नुकसान न हो,अब चाहे अवैध कारोबार करने वाला डूब जाए,जनता परेशान हो जाए,लेकिन हिस्सेदारी की धारा बाधित नहीं होनी चाहिए।

राममय हुआ कैलाशपुर,तीन दिवसीय रामचरितमानस गायन-वादन प्रतियोगिता का भक्तिमय समापन

चौपाइयों और जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा कैलाशपुर

-संवाददाता-
सोनहत,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

कैलाशपुर में आयोजित तीन दिवसीय रामचरितमानस गायन-वादन प्रतियोगिता का भक्तिमय वातावरण में भव्य समापन हुआ,देर रात से शुरू होकर पूरी रात चले इस आयोजन में आसपास के कई गांवों से पहुंची मानस मंडलियों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया,पूरा गांव जय श्रीराम के उद्घोष और मानस की चौपाइयों से राममय हो उठा, कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देर रात तक भक्ति में डूबी नजर आई।

रामचरितमानस जीवन जीने की सर्वोत्तम शिक्षा

गुलाब कमरो-कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने अपने उद्बोधन में कहा कि रामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं,बल्कि जीवन जीने की सबसे सुंदर शिक्षा है, उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने मानस के माध्यम से समाज को प्रेम,करुणा,सेवा और मर्यादा का संदेश दिया है,उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि सत्ता से बड़ा सत्य और बल से बड़ा चरित्र होता है, वनवास प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी श्रीराम ने धैर्य और मर्यादा नहीं छोड़ी,जो आज समाज के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।

मानस की चौपाइयों ने बांधा समां

पूरी रात चली प्रतियोगिता में विभिन्न मानस मंडलियों ने भजन,चौपाइयों और वादन की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। वक्ताओं ने भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों का स्मरण करते हुए कहा कि उनका चरित्र त्याग, सेवा,वचनबद्धता और समाज के प्रति समर्पण का संदेश देता है, कार्यक्रम में रजवार समाज के अध्यक्ष ने कहा कि रामचरितमानस हमारी संस्कृति और परंपरा की अमूल्य धरोहर है, ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

ग्रामीणों और युवाओं की रही सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम का संचालन बसंत राजवाड़े एवं सुमित राजवाड़े ने किया,उन्होंने आयोजन को श्रद्धा, संस्कृति और सामूहिक भक्ति का उत्सव बताते हुए सभी ग्रामवासियों,मानस मंडलियों और युवाओं का आभार व्यक्त किया,इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष संदीप जायसवाल,जनपद सदस्य सोनिया सुमित राजवाड़े,सौरभ मिश्रा, रामनरेश पटेल,यूथ कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चंद्र साहू,सांसद प्रतिनिधि अविनाश पाठक,रुद्र साहू और मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे,समापन अवसर पर विजेता मानस मंडलियों को सम्मानित किया गया,आयोजन की सफलता से उत्साहित ग्रामीणों ने अगले वर्ष और भी भव्य आयोजन करने की बात कही।

220 बिस्तर अस्पताल मनेंद्रगढ़ बना भरोसे का केंद्र,एक दिन में 8 सफल सर्जरी

स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार हो रहा विस्तार

-संवाददाता-
एमसीबी/चिरीमिरी,27 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिला चिकित्सालय एमसीबी के अंतर्गत संचालित 220 बिस्तर अस्पताल मनेंद्रगढ़ अब क्षेत्रीय लोगों के लिए भरोसे का केंद्र बनता जा रहा है,अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं,विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता और बेहतर प्रबंधन के चलते स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है,इसी क्रम में अस्पताल ने एक ही दिन में 8 सफल सर्जरी कर नई उपलब्धि हासिल की है।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार पहले सीमित संख्या में ऑपरेशन हो पाते थे,लेकिन अब ऑपरेशन थिएटर की बेहतर व्यवस्था और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के कारण मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर उपचार मिल रहा है,इससे बड़े शहरों में रेफर होने वाले मरीजों की संख्या भी कम हुई है।

एक दिन में हुए 8 प्रमुख ऑपरेशन

अस्पताल में जनरल सर्जरी,ऑर्थोपेडिक और ईएनटी विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की सफल सर्जरी की गई,इनमें स्क्रोटम इंजरी रिपेयर, हाइड्रोसील ऑपरेशन,सेबेशियस सिस्ट सर्जरी, एब्सेस ऑपरेशन,अंगूठे का अम्प्यूटेशन और फ्रैक्चर इम्प्लांट रिमूवल जैसी प्रक्रियाएं शामिल रहीं,सभी मरीजों की सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

विशेषज्ञ डॉक्टरों और ओटी टीम की रही अहम भूमिका

इन सर्जरी में ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश जायसवाल,एनेस्थेटिस्ट डॉ. एल.पी. मराबी,डॉ. फिरोज शेख,जनरल सर्जन डॉ. राजीव गुप्ता और ईएनटी सर्जन डॉ. अलेख सिदार सहित ओटी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही,प्रशिक्षित स्टाफ और आधुनिक उपकरणों की मदद से ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरे किए गए।

ग्रामीण मरीजों को मिल रही राहत

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि आने वाले समय में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार जारी रहेगा, मनेंद्रगढ़ और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को अब बेहतर इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख कम करना पड़ रहा है,जिससे समय और आर्थिक खर्च दोनों में राहत मिल रही है।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों का दिख रहा असर...

अस्पताल की इस उपलब्धि का श्रेय प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन तथा अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी के कुशल प्रबंधन को दिया जा रहा है,अस्पताल में लगातार संसाधनों का विस्तार किया जा रहा है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

CMYK

टाइगर श्रॉफ की बैक-टू-बैक फ्लॉप पर जैकी श्रॉफ का रिएक्शन,कहा...ये हमारे हाथ में नहीं

जैकी श्रॉफ ने अपने बेटे टाइगर श्रॉफ की हालिया बॉक्स ऑफिस फ्लॉप के बारे में बात करते हुए कहा कि सफलता और असफलता किसी भी एक्टर के हाथ में नहीं होती। उनका कहना है कि सब दर्शकों के हाथ में होता है।जैकी श्रॉफ ने अपने बेटे टाइगर श्रॉफ की हालिया बॉक्स ऑफिस फ्लॉप फिल्मों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता एक एक्टर के कंट्रोल से बाहर होती है। टाइगर के करियर ग्राफ और हाल के सालों में उन्हें जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, उन पर बात करते हुए जैकी ने कहा कि एक्टर पूरी ईमानदारी से काम करने पर फोकस करते हैं और बाकी सब दर्शकों पर छोड़ देते हैं। टाइगर भी उन्हीं स्टार किड्स में से एक हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है।

टाइगर श्रॉफ की फ्लॉप फिल्मों पर जैकी श्रॉफ क्या बोले

मिड-डे से बात करते हुए जैकी ने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री का जो अनप्रेडिक्टेबल

माहौल है, उसका अनुभव हर एक्टर को कभी न कभी होता ही है। उन्होंने कहा, जिंदगी ऐसी ही है कि ये चीजें हमारे हाथ में नहीं होतीं। आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कभी आपको सफलता मिलेगी तो कभी नहीं।

फ्लॉप के बाद कैसा होता टाइगर श्रॉफ का हाल

एक्टर ने आगे बताया कि लगातार कई फिल्में अच्छा प्रदर्शन न करने के बावजूद टाइगर पॉजिटिव बने हुए हैं। जैकी ने कहा,हम एक्टर हैं,हमें हर तरह के हालात से गुजरना पड़ता है। टाइगर यह बात जानता है। वह कहता है मैं पूरी ईमानदारी से काम करूंगा। बाकी सब दर्शकों पर है। यह बहुत अच्छी बात है। बाकी सब ठीक है।

टाइगर श्रॉफ की 4 हिट फिल्में

टाइगर श्रॉफ ने 2014 में सब्बीर खान द्वारा निर्देशित फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म से कृति सेनन ने भी डेब्यू किया था और यह बॉक्स ऑफिस पर सफल रही,जिससे टाइगर को एक मजबूत फैन फॉलोइंग बनाने में मदद मिली। फैंस उनके मार्शल आर्ट्स स्किल्स और फिटनेस रूटीन के दीवाने हैं। अपने डेब्यू के बाद टाइगर ने बागी और बागी 2 जैसी एक्शन फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई,जो बाद में एक हिट फ्रेंचाइजी बन गई। उन्होंने ऋतिक रोशन के साथ वॉर में भी काम किया,जो 2019 की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट फिल्मों में से एक थी।

टाइगर श्रॉफ की फ्लॉप मूवीज

हालांकि, एक्टर को कुछ साल से बॉक्स ऑफिस पर काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। गणपत, बड़े मियां छोटे मियां और फ्लाइंग जट्ट जैसी फिल्में फ्लॉ रही। टाइगर अब राज मेहता द्वारा निर्देशित फिल्म लग जा गले में नजर आएंगे। इस फिल्म में तब्बू, विद्युत जामवाल,जान्हवी कपूर और कुणाल ठाकुर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

डॉन 3 विवाद के बीच रणवीर सिंह के समर्थन में आए मीका सिंह

फिल्म 'डॉन 3' को लेकर चल रहे विवाद के बीच सिंगर और म्यूजिक कंपोजर मीका सिंह ने अभिनेता रणवीर सिंह के समर्थन में बयान दिया है। मीका सिंह, जिन्हें 2019 में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज द्वारा बैन किया गया था,अब इस मामले में खुलकर रणवीर सिंह के पक्ष में नजर आ रहे हैं। मामला तब चर्चा में आया जब रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि फ्वाईस ने रणवीर सिंह के खिलाफ 'नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव' जारी किया है। इस निर्देश के तहत इंडस्ट्री से जुड़े वर्कर्स और तकनीशियनों से अपील की गई है कि वे अभिनेता के साथ किसी भी शूटिंग या प्रोडक्शन में सहयोग न करें। इस कथित फैसले के बाद फिल्म इंडस्ट्री और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। कई लोग इसे इंडस्ट्री में बढ़ते तनाव और संगठनात्मक हस्तक्षेप से जोड़कर देख रहे हैं। इसी बीच मीका सिंह ने रणवीर सिंह का समर्थन करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि उन्होंने किसी संगठन या व्यक्ति का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया,लेकिन उनके बयान को रणवीर सिंह के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

मीका सिंह ने पहले भी अपने करियर में फ्वाईस के बैन का सामना किया है, जिसके कारण उनका नाम इस विवाद से और भी जुड़ गया है। फ्वाईस के कथित निर्देश के बाद इंडस्ट्री के कई लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कुछ का मानना है कि ऐसे कदम कलाकारों और प्रोडक्शन टीमों के बीच सहयोग को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि कुछ इसे संगठन के अनुशासनात्मक अधिकार के रूप में देख रहे हैं। रणवीर सिंह और 'डॉन 3' से जुड़े इस विवाद पर अब तक फिल्म मेकर्स या फ्वाईस की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिलहाल यह मामला फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना हुआ है और आने वाले दिनों में इस पर और प्रतिक्रियाएं सामने आने की संभावना है।

आखिरी वक्त तक हम दोनों प्यार में थे

कभी स्टॉकर से बनी मिलिंद सोमन की गर्लफ्रेंड,सालों बाद अब ब्रेकअप पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अपनी दमदार एक्टिंग के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री शहाना गोस्वामी ने हाल ही में मॉडल और अभिनेता मिलिंद सोमन के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। एक हालिया इंटरव्यू में शहाना ने उन कारणों का खुलासा किया,जिनकी वजह से दोनों ने एक-दूसरे से बेहद प्यार करने के बावजूद अपनी राहें अलग करने का फैसला किया था। सिद्धार्थ कनन के यूट्यूब चैनल पर दिए इस इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि कैसे जब वह महज एक टीनएजर थीं, तभी से उनके मन में मिलिंद के लिए एक खास अट्रैक्शन शुरू हुआ था और सालों बाद कैसे यह जुड़ाव एक वास्तविक रिश्ते में बदल गया। सहाना जब मिलिंद के सात रिश्ते में आईं तो उनकी उम्र सिर्फ 22 साल थी और 43 साल के थे।

जब 16 साल की उम्र में मिलिंद की दीवानी हो गई थीं शहाना

शहाना गोस्वामी ने बचपन के उन दिनों को याद करते हुए साझा किया कि जब वह लगभग 16 या 17 साल की थीं,तब उन्होंने पहली बार बड़े पर्दे पर मिलिंद सोमन की एक फिल्म देखी थी। उस फिल्म को देखने के बाद वह मिलिंद के व्यक्तित्व से इस कदर प्रभावित और मंत्रमुग्ध हो गईं कि उन्होंने इंटरनेट पर उनके कॉन्टैक्ट डिटेल्स तलाशने शुरू कर दिए ताकि वह किसी तरह मिलिंद तक पहुंच सकें। शहाना ने उस दौर का एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया, फिल्म देखने के बाद,मैं उनके प्रति पूरी तरह आकर्षित हो गई थी। देखिए किस्मत ने कैसे खेल दिखाया। मैं उन्हें खत भेजने के लिए इंटरनेट पर उनका पता ढूंढ रही थी,और तभी मुझे उनका लैंडलाइन नंबर मिल गया। उस दौरान मेरे पिता ने मुझे एक सेलफोन गिफ्ट किया था, जो मेरी उम्र के बच्चों के पास होना उस समय आम बात नहीं थी। मिलिंद ने अपने आंसरिंग मशीन पर अपना सेलफोन नंबर छोड़ा हुआ था। मैंने उन्हें मैसेज किया और उनके जन्मदिन पर बधाई दी और उन्होंने तुरंत जवाब भी दिया।

अल्फा गर्ल्स का एक्शन देख चौंके लॉर्ड बॉबी

रणबीर कपूर के बाद अब आलिया भट्ट से होगी टक्कर

बॉबी देओल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बंदर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। जल्द ही एक्टर आलिया भट्ट के साथ भी बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर एक्टर ने कई खुलासे किए हैं। यशराज फिल्म्स के बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म अल्फा को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है। फिल्म एनिमल में अपनी कल्ट विलेन की भूमिका से तहलका मचाने वाले अभिनेता बॉबी देओल इस फिल्म में एक बार फिर मुख्य खलनायक के रूप में अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ के मुख्य अभिनय से सजी अल्फा वाईआरएफ बैनर की पहली फीमेल-लेड स्पाई थ्रिलर फिल्म है। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, बॉबी देओल ने इस बड़े प्रोजेक्ट में काम करने के अपने अनुभवों को लेकर खुलकर बातचीत की है और अपनी सह-कलाकारों की जमकर तारीफ की है।

आलिया भट्ट के साथ पहली बार काम करने का अनुभव

फिल्म अल्फा के जरिए बॉबी देओल पहली बार आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले वह आलिया के पति रणबीर कपूर के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में काम कर चुके हैं। आलिया के साथ काम करने को लेकर बॉबी देओल ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि वह रणबीर और आलिया दोनों को बेहद पसंद करते हैं और हमेशा से उन दोनों के साथ काम करने की ख्वाहिश रखते थे। रणबीर के साथ काम करने के बाद अब आलिया के साथ अल्फा में काम करना उनके लिए एक बेहतरीन और यादगार अनुभव रहा है।

बड़े पर्दे पर महिलाओं का धांसू एक्शन

बॉबी देओल ने इस फिल्म को भारतीय सिनेमा के लिए एक नया और ताजा अनुभव बताया है क्योंकि यह फिल्म दो महिलाओं को एक्शन के केंद्र में रखती है। उन्होंने कहा कि भारत में अल्फा जैसी एक्शन फिल्म का बनना बेहद अद्भुत है, जहां दो लड़कियां पर्दे पर खतरनाक स्टंट और एक्शन करती नजर आएंगी। अभिनेता के मुताबिक यह दर्शकों के लिए सिनेमाघरों में देखने के लिए एक बिल्कुल नया विजुअल ट्रीट होगा। फिल्म के एक्शन दृश्यों को बेहद रॉ और रियल रखा गया है, जिसने सभी कलाकारों को अपनी शारीरिक क्षमताओं की सीमाओं को पार करने के लिए प्रेरित किया।

आलिया भट्ट के समर्पण और कड़ी मेहनत से प्रभावित हुए बॉबी

फिल्म के निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक शिव रवैल का विज़न बिल्कुल साफ था कि फिल्म का एक्शन वास्तविक दिखना चाहिए। यही वजह थी कि इसकी शूटिंग काफी कठिन और थका देने वाली रही। आलिया भट्ट के बारे में बात करते हुए बॉबी ने कहा कि आलिया उनके द्वारा अब तक काम किए गए सबसे मेहनती और ईमानदार कलाकारों में से एक हैं। वह सेट पर पूरी तैयारी और हर सीन में गहराई से डूबकर काम करती हैं। आलिया ने इससे पहले कभी इस स्तर का एक्शन नहीं किया था, इसलिए शूटिंग के लिए उनकी तैयारी और समर्पण को देखकर बॉबी पूरी तरह हैरान रह गए।

अल्फा से जुड़ी खास बातें और रिलीज की तारीख

इस फिल्म का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं, जिन्हें नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय वेब सीरीज द रेलवे मेन के लिए जाना जाता है। अल्फा वाईआरएफ के मशहूर स्पाई यूनिवर्स का एक अहम हिस्सा है, जिसमें टाइगर ट्रिलॉजी, वॉर फ्रेंचाइजी और पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। इस फिल्म की पहली झलक पिछले साल रिलीज हुई फिल्म वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई थी। फिल्म में अनिल कपूर भी एक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

खतरों के खिलाड़ी 15 से बाहर होने वाले पहले मेल कंटेस्टेंट

खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग अभी साउथ अफ्रीका के केप टाउन में चल रही है, जिसमें सभी 13 कंटेस्टेंट होस्ट रोहित शेट्टी के गाइडेंस में खतरनाक स्टंट और रोमांचक टास्क करने के लिए अपनी लिमिट्स को पार कर रहे हैं। शो से जुड़े अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, दो हफ्ते की शूटिंग पूरी हो चुकी है और पहले एलिमिनेट हुए कंटेस्टेंट का नाम अब ऑनलाइन सामने आ गया है। दिलचस्प बात यह है कि पहले हफ्ते की शूटिंग के दौरान कोई एलिमिनेशन नहीं हुआ, क्योंकि सभी कंटेस्टेंट शुरुआती राउंड के टास्क को सफलतापूर्वक पार कर दूसरे हफ्ते में पहुँच गए। खतरों के खिलाड़ी 15 एलिमिनेशन वीक 1 अंदरूनी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी एलिमिनेशन स्टंट हारने के बाद शो से एलिमिनेट हो गए हैं। अपडेट्स के मुताबिक, ओरी और एक्ट्रेस रूहानिका धवन ने एलिमिनेशन टास्क किया,जिसमें रूहानिका जीतीं और बाकी कंटेस्टेंट के साथ तीसरे हफ्ते में अपनी जगह पक्की कर ली। इस बीच, ओरी कॉम्पिटिशन से एलिमिनेट हो गए। वैसे,शो के बारे में जो बातें चल रही हैं, उनसे लगता है कि ओरी शायद इस सीज़न में बाद में वापस आ सकता है, हालांकि अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं है। खतरों के खिलाड़ी 15 का प्रीमियर जून के बीच या जुलाई में कलर्स टीवी और जियोहॉटस्टार पर हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे होने की उम्मीद है। शो से ओरी के बाहर होने की खबर पर आपका क्या कहना है?

खेल समाचार

आरसीबी ने जीटी को 92 रन से हराया

बैंगलोर,27 मई 2026। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने गुजरात टाइटन्स को 92 रन से हराकर एक बड़ी जीत दर्ज की, जिसमें टीम के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की अहम भूमिका रही। मैच के बाद भुवनेश्वर कुमार ने अपनी गेंदबाजी रणनीति और टीम की तैयारी को लेकर खुलकर बात की। भुवनेश्वर कुमार,जो इस समय पर्पल कैप के दावेदार बने हुए हैं, ने कहा कि उनकी गेंदबाजी योजना मुख्य रूप से एलबीडब्ल्यू और बोल्ड आउट करने पर केंद्रित रहती है। उन्होंने बताया कि आधुनिक क्रिकेट में सिर्फ रन रोकने पर नहीं, बल्कि विकेट निकालने पर ज्यादा ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय टीम मैनेजमेंट, सपोर्ट स्टाफ और डेटा एनालिसिस यूनिट को दिया। भुवनेश्वर ने कहा कि फ्रेंचाइजी के साथ दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंचने की स्थिति में टीम का पर्दे के पीछे का काम काफी अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा, इसका बहुत सारा क्रेडिट पर्दे के पीछे होने वाली प्लानिंग को जाता है। हम अनुभव लाते हैं, लेकिन सपोर्ट स्टाफ जो छोटी-छोटी चीजें देता है, वही मैच में फर्क पैदा करती हैं। हम डेटा पर निर्भर हैं,लेकिन पूरी तरह नहीं।

अब आईपीएल में 74 की जगह 94 मैच

आईपीएल में इस वक्त 74 मुकाबले खेले जाते हैं...हालांकि अब इस लीग के मुकाबले और बढ़ाने पर चर्चा की जा रही है...74 की जगह अब 94 मैच भी आईपीएल में आने वाले टाइम में हो सकते हैं...

नई दिल्ली,27 मई 2026। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने संकेत दिया है कि इंडियन प्रीमियर लीग को दो हिस्सों (विंडोज) में डिवाइड किया जा सकता है। दूसरी विंडो सितंबर-अक्टूबर के महीनों में आयोजित की जा सकती है। आईपीएल गवर्निंग बॉडी मैचों की संख्या को मौजूदा 74 से बढ़ाकर 94 करने पर विचार कर रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि साल 2022 के बाद से सभी टीमों को एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलने का मौका मिल सके। बता दें कि 2022 से आईपीएल में टीमें 5 टीमों के खिलाफ दो-दो मैच तो चार के खिलाफ एक-एक मैच खेलती आ रही हैं।

अरुण धूमल ने अपने बयान में क्या कहा?

आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने स्पोर्टस्टार से कहा, अभी सिर्फ सात होम गेम और सात अवे गेम होते हैं। 10 टीमों के फॉर्मेट में नौ होम और नौ अवे गेम होंगे। हालांकि बाइलेटरल मैचों की कमिटमेंट की वजह से हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। अगर हमें बड़ी विंडो मिलती है और हम उसमें 2 हफ्ते और जोड़ पाते हैं तो हम मैचों

की संख्या 74 से 94 करने पर विचार करेंगे, जिससे टीमों को होम और अवे पर खेलने का बराबर मौका मिल पाए।

उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता (2 महीने तक आईपीएल चलने से फैंस थक रहे हैं) हमें बैठकर ब्रॉडकास्टर से बात करनी होगी। उनका ऑपीनियन जानना होगा कि क्या टूर्नामेंट एक और विंडो में मूव हो सकता है। एक सजेशन यह भी है कि विंडो सितंबर-अक्तूबर की हो सकती है। यह एडवटाइजर पॉइंट ऑफ व्यू के हिसाब से बिल्कुल सही वक्त होगा क्योंकि यह बिल्कुल दीवाली से पहले होगा।

मौसम को लेकर भी बोले अरुण धूमल

मौसम को लेकर आईपीएल चेयरमैन ने कहा,मौसम एक और चैलेंज है जिसको हम फेस कर रहे हैं, क्योंकि मई में काफी गर्मी हो रही है। हम यह भी देख रहे हैं कि हमें कोई विंडो फरवरी से अप्रैल तक कि मिल जाए और फिर साल के अंत में कोई विंडो मिले। हमें वो करना है जो खेल के लिए बेस्ट हो क्योंकि आईपीएल सिर्फ बी सी सीआई को ही इम्पैक्ट नहीं करता है बल्कि अन्य क्रिकेट बोर्ड्स को भी करता है।

29 गेंदों में 97 रन बनाकर छाए वैभव सूर्यवंशी

दिल्ली,27 मई 2026। मुल्लनपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक बल्लेबाजी कर सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। राजस्थान का पहला विकेट 125 रन के स्कोर पर गिरा,जब वैभव सूर्यवंशी 29 गेंदों में 97 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 12 शानदार छक्के लगाए। वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया और पावरप्ले में तेजी से रन बटोरे। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की। इस दौरान राजस्थान ने केवल 8 ओवर में 125 रन बना डाले। प्रफुल हिंगे के ओवर में सूर्यवंशी ने लगातार बड़े शॉट लगाए। उन्होंने एक ओवर में चौका,नो-बॉल पर चौका और दो छक्के जड़कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। हालांकि शतक से मात्र तीन रन दूर रहते हुए वह स्मरण रविचंद्रन के हाथों कैच आउट हो गए। सूर्यवंशी ने इस सीजन में पावरप्ले के दौरान सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने डेविड वॉर्नर,ट्रैविस हेड और एडम गिलक्रिस्ट जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया।

जेसिका पेगुला फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर

मियामी,27 मई 2026। वर्ल्ड नंबर 83 किम्बर्ली बिरेल ने लगातार पांच मैच हारने का सिलसिला तोड़ा और एक सेट से पिछड़ने के बाद नंबर 5 सीड जेसिका पेगुला को 1-6,6-3,6-3 से हराकर पहली बार पेरिस में फ्रेंच ओपन 2026 के दूसरे राउंड में पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलिया की बिरेल अब 2019 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंचने से एक जीत दूर हैं। उनकी जीत ने 2023 से बड़े टूर्नामेंट में पहले राउंड में हारने का उनका लगातार नौ मैच का सिलसिला भी खत्म कर दिया। जेसिका पेगुला के लिए, यह हार लगातार दूसरे साल है जब वह किसी ग्रैंड स्लैम में पहले राउंड से बाहर हुई हैं,पिछले साल विंबलडन में पहले राउंड में हारने के बाद। इससे पहले,मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने

साथी अमेरिकी टेलर टाउनसेंड पर 6-4, 6-0 से आसान जीत के साथ दूसरे राउंड में जगह बनाई। इस जीत के साथ,गॉफ़ लगातार सातवें टूर्नामेंट के लिए पेरिस में राउंड ऑफ़ 64 में पहुँच गई। ओपनिंग-राउंड का मुकाबला डब्ल्यूटीए टूर पर कोको गॉफ़ और टेलर टाउनसेंड के बीच पहली मुलाकात थी, हालाँकि टाउनसेंड ने पहले 2019 में चार्ल्सटन में डब्ल्यू 100 इवेंट में 15 साल की गॉफ़ को तीन सेट में हराया था। सात साल बाद,मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन साफ़ फ़ेवरेट के तौर पर शामिल हुई,जबकि टाउनसेंड 2018 के बाद से पेरिस में पहले राउंड से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका ने भी अपने फ्रेंच ओपन कैंपेन की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया, उन्होंने जेसिका बौज़ास मानेरो को 1 घंटे 15 मिनट में 6-4, 6-2 से हराया। सबालेंका ने मैच में हर चुनौती को आसानी से संभाला, पहले सेट में 4-0 और दूसरे सेट में 5-0 की शानदार बढ़त बनाकर दोनों सेट अपने नाम कर लिए। इन शानदार दौर के दौरान,वह अपने खेल पर पूरी तरह से कंट्रोल में थीं।

नंदनवन और जंगल सफारी रहेंगे बंद,वन्य प्राणियों की सुरक्षा को लेकर लिया फैसला

रायपुर,27 मई 2026। नंदनवन ओर जंगल सफारी में बढ़ती गर्मी और नौतपा के असर को देखते हुए बड़ा फैसला लिया गया है। प्रशासन ने अत्यधिक तापमान और वन्य प्राणियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जंगल सफारी को दो दिनों के लिए बंद रखने का आदेश जारी किया है। जारी निर्देश के मुताबिक 28 और 29 मई को नंदनवन जंगल सफारी पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान पर्यटक सफारी भ्रमण और वन्य जीवों का दीदार नहीं कर सकेंगे। बताया जा रहा है कि लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्म हवाओं का असर वन्य प्राणियों पर भी पड़ रहा है। इसी वजह से प्रबंधन ने एहतियातन यह निर्णय लिया है ताकि जानवरों को गर्मी से राहत मिल सके और उनके स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। प्रबंधन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे सफारी भ्रमण की योजना बनाने से पहले जारी निर्देशों की जानकारी जरूर लें। गर्मी कम होने के बाद सफारी को फिर से सामान्य रूप से खोला जाएगा।

धरमजयगढ़ में फिर हाथी शावक की मौत,वन विभाग की लापरवाही से गई जान? डीएफओ के दावों की खुली पोल

धरमजयगढ़,27 मई 2026। छल रेंज के चंद्रशेखरपुर बीट में एक और हाथी शावक की मौत ने वन विभाग की पोल खोल दी है। जंगल में शावक की मौत के बाद हाथियों का पूरा झुंड घंटों वहां डटा रहा और वन विभाग की टीम मूकदर्शक बनी देखती रही। करोड़ों के बजट के बाद भी विभाग के पास आपात स्थिति से निपटने का कोई प्लान नजर नहीं आ रहा है। सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा तो जरूर,लेकिन मृत शावक के पास खड़े गजराजों के झुंड के आगे बेबस नजर आया। कई घंटों तक विभाग शव को कब्जे में नहीं ले सका और न ही झुंड को वहां से हटा पाया। सवाल उठ रहा है कि हाथी-मानव संघर्ष रोकने के बड़े-बड़े दावों वाले धरमजयगढ़ वन मंडल के पास इमरजेंसी हैंडल करने की तैयारी क्यों नहीं है? स्थानीय लोगों का आरोप है कि डीएफओ समेत पूरा अमला सिर्फ कागजी रिपोर्ट और बंद कमरों की बैठकों तक सीमित है। जंगल में लगातार हाथियों की मौत हो रही है,शावक दम तोड़ रहे हैं, लेकिन विभाग पहले से कोई ठोस रणनीति नहीं बना पाया। वन्यजीव संरक्षण के नाम पर करोड़ों खर्च होने के बाद भी एक शावक को नहीं बचाया जा सका।

आईएफएस अरूण पांडे बने नए पीसीसीएफ,व्ही. श्रीनिवास राव की लेंगे जगह,आदेश जारी...

रायपुर,27 मई 2026। राज्य सरकार ने आईएफएस अरूण पांडे को प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख के तौर पर नियुक्त कर दिया है। मंत्रालय से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। वह व्ही.श्रीनिवासन राव की जगह लेंगे। दरअसल,प्रमुख PCCF व्ही. श्रीनिवास राव 31 मई को रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में नए PCCF के लिए डीपीसी की बैठक हुई थी। इसमें अरूण पाण्डेय, अनिल साहू और कौशलेंद्र कुमार के नाम पर चर्चा हुई थी। चर्चा के बाद अरूण पाण्डेय के नाम पर मुहर लगी।

एसबीआई में 2.06 करोड़ की हेराफेरी.. कैशियर के खिलाफ चार्जशीट पेश

दूसरे राज्यों के खातों में आरटीजीएस कर पैसे ट्रांसफर,फर्जी फाइनेंशियल-ऑफिसर के चक्कर में फंसी

बिलासपुर,27 मई 2026। बिलासपुर में स्टेट बैंक के रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ कर 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार रुपए गबन करने वाली कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दिया है। जिसमें उन्हें बैंक के ग्राहकों के खातों में जमा रुपए और बैंक के बही खातों में हेराफेरी कर गबन करने के लिए दोषी माना गया है। चार्जशीट में जांच एजेंसी ने बताया कि, आरोपी ने महज 14 दिन में बैंक के इंटरनल सिस्टम में फर्जी एंट्री कर करोड़ों रुपए थर्ड पार्टी खातों में ट्रांसफर कर दिए। मामले में बाकी संदिग्धों और सह-आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है। दरअसल,पूरा मामला बिलासपुर जिले के बिल्हा स्थित एसबीआई शाखा का है। यहां 19 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 के बीच महज 15 दिनों में 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार 600 रुपए रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। जब शाखा प्रबंधक पीयूष बारा को इसकी भनक लगी, तब उन्होंने इसकी विभागीय जांच की। जांच में पता चला कि कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा पर बैंक के कैश की देखरेख की जिम्मेदारी थी,जिन्होंने इतनी बड़ी रकम का गबन किया है।

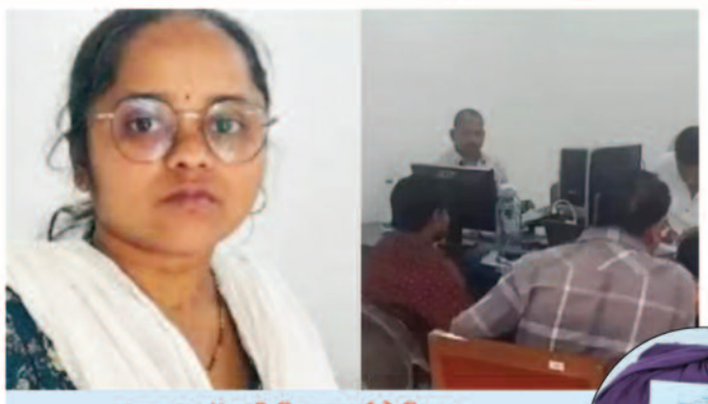

साइबर फ्रॉड की शिकार हुई कैशियर, कमाई की लालच में उड़ाए रकम

शाखा प्रबंधक पीयूष बारा ने इस मामले की शिकायत एसीबी में की,तब मामले में भ्रष्टाचार और शासकीय जमा राशि की हेराफेरी का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले में कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा 8 महीने तक फरार चल रही थी। शुरूआती जांच में आरोपी ने रखरखाव में खर्च करने की बात कही। केवल रखरखाव में इतनी बड़ी रकम खर्च करने और बैंक में जमा राशि को उनके द्वारा निजी खातों में ट्रांसफर करने के सवाल पर कैशियर गोलमोल जवाब देने लगी। एसीबी की पूछताछ में कैशियर ने बताया कि उनके मोबाइल पर टेलीग्राम पर फाइनेंशियल ऑफिसर के नाम पर मेसेज आया था,जिसमें रकम इन्वेस्ट करने पर 2 गुना फायदा होने का दावा किया गया। इस लालच में आकर कैशियर ने बैंक की जमा राशि को कथित फाइनेंशियल ऑफिसर के बताए अकाउंट नंबर पर ट्रांसफर करती रहीं।

दूसरे राज्यों के बैंक अकाउंट में की आरटीजीएस : एसीबी जांच में सामने आया कि, आरोपी महिला अधिकारी ने 19 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 के बीच बैंक के इंटरनल और बीजीएल खातों में फर्जी और झूठी एंट्री की। इसके जरिए 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार 600 रुपए आरटीजीएस से अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए गए। जांच एजेंसी का कहना है कि,सरकारी और लोकधन की इस हेराफेरी को छिपाने के लिए बैंक से जुड़ी सेवाओं, भोजन-पेय और संपत्ति रखरखाव के नाम पर फर्जी खर्च भी दर्ज किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ खाताधारकों के बैंक खातों का गलत इस्तेमाल किया गया। जांच एजेंसी को पता चला है कि आरोपी ने दूसरे राज्यों के बैंक अकाउंट्स में आरटीजीएस के जरिए पैसे ट्रांसफर की है। एजेंसी को थर्ड पार्टी खातों और कुछ अन्य लोगों की मिलीभगत के भी संकेत मिले हैं। इसी वजह से मामले की विवेचना अभी जारी रखी गई है।

बांच मैनेजर की शिकायत से खुला मामला

घोटाले का खुलासा एसबीआई बिल्हा शाखा के ब्रांच मैनेजर की लिखित शिकायत के बाद हुआ। इसके आधार पर 19 जनवरी 2025 को रायपुर स्थित मुख्यालय ईओडब्ल्यू और एसीबी में केस दर्ज किया गया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(ए),13(2) और भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है।

कई और गिरफ्तारियों के संकेत

एसीबी अधिकारियों के मुताबिक मुख्य आरोपी के खिलाफ चालान कोर्ट में पेश किया जा चुका है,लेकिन जांच अभी खत्म नहीं हुई है। थर्ड पार्टी खातों में रकम ट्रांसफर होने और अन्य लोगों की भूमिका के सबूत मिलने के बाद एजेंसी अब सह-आरोपियों की कड़ी तलाश में जुटी है। आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

छत्तीसगढ़ में बकरीद पर सख्ती...शिफ्ट में नमाज होगी,खुले में कुर्बानी-डीजे पर रोक

रायपुर,27 मई 2026। छत्तीसगढ़ में इस बार ईद-उल-अजहा यानी बकरीद को लेकर प्रशासन और वक्फ बोर्ड पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था,सामाजिक सौहार्द और स्वच्छता बनाए रखने के लिए वक्फ बोर्ड ने राज्यभर में सख्त गाइडलाइन जारी की है। निर्देशों के अनुसार खुले स्थानों पर कुर्बानी,डीजे बजाने और धार्मिक आयोजनों में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जबकि 6 से 11 बजे तक नमाज पढ़ी जाएगी। इस बीच शिफ्ट में नमाज पढ़नी होगी। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने कहा कि पिछले साल से ही नमाज शिफ्ट में अदा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नियम तोड़ने पर 50 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं,रायगढ़ में ईद-उल-अजहा (बकरीद) को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों ने पूरी तैयारी कर ली है। कुर्बानी के एक से डेढ़ लाख रुपए तक के बकरे खरीदे गए हैं। पंजाब से बीटल नस्ल और ओडिशा समेत आसपास के जिलों से भी बकरे मंगाए गए हैं।

खुले में कुर्बानी पर पूरी तरह रोक

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, मैदानों और खुले इलाकों में कुर्बानी की अनुमति नहीं होगी। कुर्बानी केवल अधिकृत स्लॉटर हाउस या निजी परिसरों के भीतर ही की जा सकेगी। वहीं, प्रशासन का कहना है कि यह फैसला स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने और अन्य समुदायों की भावनाओं का सम्मान करने के उद्देश्य से लिया गया है। इसके साथ ही नगर निगम की टीमों को सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डीजे और तेज आवाज में धार्मिक कार्यक्रमों पर भी नजर

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज के अनुसार त्योहार के दौरान डीजे और तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाने पर भी सख्ती रहेगी। प्रशासन ने निर्देश दिया है कि निर्धारित ध्वनि सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी करेंगी।

सुबह 6 से 11 बजे तक ही नमाज

ईद-उल-अजहा की नमाज को लेकर भी समय तय किया गया है। राज्यभर की प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज सुबह 6 बजे से 11 बजे के बीच अदा की जाएगी। प्रशासन के मुताबिक इससे ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था संभालने में आसानी होगी।

अध्यक्ष बोले...निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन हो रहा

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने दैनिक भास्कर से चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान में जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन हो रहा है। छत्तीसगढ़ में सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी जा रही है।

रायगढ़ में 1.50 लाख तक के बकरों की खरीदारी

रायगढ़ में बकरीद की तैयारियां कर ली है। समाज के लोग एक महीने पहले से ही बकरों की खरीद में जुटे हुए थे। इस दौरान एक से डेढ़ लाख रुपए तक के बकरे खरीदे गए हैं। इसके साथ ही 20 से 30 हजार रुपए तक के बकरों की बड़ी संख्या में खरीदारी हुई है। पंजाब,ओडिशा समेत आसपास के जिलों से भी बकरे मंगाए गए हैं।

बागेश्वर बाबा से भूपेश बघेल ने की मांग,पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम भी कम कराकर दिखाएं

बिलासपुर,27 मई 2026। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बुधवार को बिलासपुर पहुंचे। जहां उन्होंने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जगदुरु रामभद्राचार्य और कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर तीखा हमला बोला। विश्रामपुर में चल रहे धरना-प्रदर्शन में शामिल होने के बाद बिलासपुर पहुंचे बघेल ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कई राजनीतिक टिप्पणियां कीं। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि भाजपा के मंत्रिमंडल में ऐसे कई मंत्री हैं जिन पर गौमांस खाने के आरोप लग चुके हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का नाम लेते हुए सवाल किया कि क्या जगदुरु रामभद्राचार्य ऐसे लोगों को उचित मानते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति की बात करने वालों को पहले अपने राजनीतिक सहयोगियों के आचरण पर भी सवाल उठाना चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधते हुए बघेल ने कहा कि उन्होंने आज तक किसी मंच से संस्कृत का एक भी श्लोक नहीं बोला है, फिर वे धर्म के सबसे बड़े ठेकेदार कैसे बन गए। जगदुरु रामभद्राचार्य और पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर भी भूपेश बघेल ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि यदि पंडित धीरेंद्र शास्त्री पर्ची देखकर लोगों की समस्याएं बता सकते हैं तो अपने गुरु के निर्देश पर पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दाम भी कम कराकर दिखाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर टिप्पणी करते हुए बघेल ने कहा कि रामभद्राचार्य अपनी दिव्य दृष्टि से यह भी बताएं कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने समझौता कर झुक क्यों जाते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और प्रधानमंत्री मोदी को लेकर प्रचलित 'मेलोडी' टिप्पणी पर कहा कि मेलोनी का मेलो और मोदी का डी मिलकर मेलोडी बन गया है।

बीजापुर तेंदूपत्ता गोदाम अग्निकांड में सरकार का बड़ा एक्शन,हटाए गए डीएफओ अशोक पटेल

बीजापुर,27 मई 2026। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से एक बेहद बड़ी प्रशासनिक और राजनीतिक खबर सामने आ रही है। हाल ही में बीजापुर के एक बड़े तेंदूपत्ता गोदाम में लगी भीषण और विनाशकारी आग के मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने एक बहुत बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। इस पूरे अग्निकांड की घटना में घोर लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को देखते हुए सरकार ने साल 2013 बैच के वरिष्ठ भारतीय वन सेवा अधिकारी और बीजापुर के जिला वन अधिकारी रमेश जांगड़े को उनके पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। प्रशासन द्वारा की गई इस त्वरित और कड़ी कार्रवाई के बाद पूरे वन विभाग और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है। सरकार ने उनकी जगह पर भारतीय वन सेवा के तेजतर्रार अधिकारी जाधव सागर रामचंद्र को बीजापुर जिले का नया डीएफओ नियुक्त कर दिया है।

बीजापुर के सरकारी गोदाम में धू-धू कर जला करोड़ों का तेंदूपत्ता : उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में महज तीन दिन पहले एक सरकारी तेंदूपत्ता गोदाम में अचानक से भीषण आग लग गई थी। देखते ही देखते आग की गगनचुंबी लपटों ने पूरे गोदाम को अपनी आगोश में ले लिया था। आग इतनी ज्यादा भयानक और अनियंत्रित थी कि गोदाम के भीतर संग्रहित करके रखा गया भारी मात्रा में कीमती तेंदूपत्ता और वन विभाग की अन्य जरूरी सामग्रियां जलकर पूरी तरह से खाक हो गईं। इस अग्निकांड के कारण सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का भारी नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस दर्दनाक और हैरान करने वाली घटना के तुरंत बाद से ही स्थानीय प्रशासन,वन विभाग की लचर कार्यप्रणाली और गोदामों की सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार गंभीर सवालिया निशान खड़े हो रहे थे।

सरकार ने तय की प्रशासनिक जवाबदेही, डीएफओ रमेश जांगड़े को हटाया : तेंदूपत्ता गोदाम में हुए इस भारी नुकसान और सुरक्षा व्यवस्था में हुई इस बड़ी चूक को राज्य सरकार ने अत्यंत संजीदगी और गंभीरता से लिया। मुख्यमंत्री और वन मंत्रालय के निर्देश पर विभाग ने बिना कोई वक्त गंवाए त्वरित कार्रवाई की। वन विभाग द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आदेश के अनुसार, बीजापुर के डीएफओ रमेश जांगड़े को उनके पद से बेदखल कर दिया गया है। प्रशासनिक गलियारों और राजनैतिक हलकों में इसे सरकार की एक बहुत बड़ी और सख्त दंडात्मक कार्रवाई माना जा रहा है। सरकार ने इस कड़े फैसले के जरिए यह साफ संदेश देने की कोशिश की है कि शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अगर बात करें हटाए गए अधिकारी की, तो रमेश जांगड़े साल 2013 बैच के भारतीय वन सेवा के एक वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी हैं।

बीजापुर जिले में उनकी पोस्टिंग के दौरान से ही वहां का तेंदूपत्ता प्रबंधन,संग्रहण नीतियां और वन विभाग की अन्य अंदरूनी गतिविधियां लगातार विवादों और चर्चाओं के घेरे में बनी हुई थीं। स्थानीय स्तर पर भी वन संपदा के रख-रखाव को लेकर कई बार शिकायतें सामने आ रही थीं। ऐसे में इस भीषण आगजनी की घटना ने जलती आग में घी डालने का काम किया,जिसके बाद सरकार ने सीधे तौर पर उनकी प्रशासनिक जवाबदेही तय करते हुए उन्हें पदमुक्त करने का फरमान जारी कर दिया।

भीषण गर्मी के मद्देनजर सीएम साय की प्रदेशवासियों से बड़ी अपील

कहा...सतर्कता बरतें और जरूरतमंदों का बनें सहारा पशु-पक्षियों के प्रति भी दायित्व निभाने की अपील

रायपुर,27 मई 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ सहित देश के अनेक हिस्सों में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रदेशवासियों से सतर्कता,संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ इस चुनौतीपूर्ण समय का सामना करने की अपील की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि अत्यधिक गर्मी के इस दौर में प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से पर्याप्त पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने तथा अनावश्यक रूप से तेज धूप में जाने से बचने का आग्रह करते हुए कहा कि छोटी-सी सावधानी स्वयं और परिवार को सुरक्षित रखने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि संभव हो तो घर, दुकान, कार्यालय अथवा सार्वजनिक स्थानों के आसपास राहगीरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था अवश्य की जाए, क्योंकि संवेदना का यह छोटा प्रयास किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए राहत और संबल बन सकता है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों,श्रमिक साथियों तथा खुले में कार्य करने वाले लोगों का ध्यान रखने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति की तबीयत अचानक बिगड़ती दिखाई दे, तो उसे तुरंत छायादार या ठंडी जगह पर ले जाकर पानी, ओआरएस अथवा अन्य तरल पदार्थ उपलब्ध कराए जाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री साय ने पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील होने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि घर,आंगन, छत, दुकान अथवा आसपास पानी का एक छोटा पात्र रखने जैसी छोटी पहल इस भीषण गर्मी में किसी जीव के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह समय सेवा, संवेदना,सजगता और सामाजिक सहयोग की भावना को मजबूत करने का है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि सभी एक-दूसरे का संबल बनें और मानवता के इस दायित्व को मिलकर निभाएं।

थाना बैरक में शराब पार्टी पड़ी भारी...

राजनांदगांव में दो प्रधान आरक्षक सस्पेंड

राजनांदगांव,27 मई 2026। राजनांदगांव जिले में पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने अनुशासनहीनता पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमनी थाना में पदस्थ दो प्रधान आरक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दोनों पुलिसकर्मी थाना परिसर स्थित बैरक में शराब सेवन की स्थिति में पाए गए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने सख्त रुख अपनाया है। जानकारी के मुताबिक, 25 मई की रात करीब 10 बजे सोमनी थाना परिसर में स्थित बैरक की जांच के दौरान प्रधान आरक्षक हेमंत अनंत और प्रधान आरक्षक भूपेंद्र कोचे शराब के नशे में पाए गए। ड्यूटी के दौरान इस तरह की अनुशासनहीनता सामने आने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने दोनों प्रधान आरक्षकों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए लिखित आदेश जारी किया।

भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा से ठगी करने वाला गिरफ्तार..नितिन नवीन का पीए बनकर मांगे थे पैसे

रायपुर,27 मई 2026। पुलिस ने एमएलए पुरंदर मिश्रा ठगी मामले में खुलासा किया है, पुलिस के अनुसार प्रार्थी ने थाना खम्हारडीह में रिपोर्ट दर्ज कराया की जगन्नाथ मंदिर गायत्री नगर थाना में रहता है एवं मंदिर में ही सेवा काम करता है। 24.05.2026 को रात करीब 08:24 बजे प्रार्थी के मोबाईल पर कॉल आया जो स्वयं को नीतिन नवीन जी का पी0ए0 कहकर प्रार्थी से तुरंत पैसो की अत्यंत आवश्यकता है कहकर प्रार्थी से पैसे की मांग किया दोबारा प्रार्थी को दूसरे नंबर पर कॉल आने पर में उसके द्वारा मोबाइल नंबर के धारक द्वारा भेजे गए स्कैनर पर 10,000/- रुपये जिसमे उसका नाम कामिनी बेहरा दिख रहा था पर फोन पे कर दिया था , इसके बाद अज्ञात मोबाइल नंबर के धारक द्वारा बार-बार फोन करके और पैसे की मांग कर रहा था जिस पर प्रार्थी द्वारा घटना के संबंध में अन्य व्यक्तियों से बात करने पर उनके द्वारा ठगी होना बताया गया । जिस अज्ञात मोबाइल नंबर के धारक के विरुद्ध अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान अज्ञात मोबाइल नंबर धारक व्यक्ति का पतासाजी करते हुए तकनीकी साक्ष्यों से उक्त मोबाइल नंबर के धारक को सहदेव मलिक पिता स्वं महानी मलिक उम्र 35 साल निवासी-तालदा थाना अतरंगा जिला पुरी उडीसा के रूप में चिन्हित किया गया। जिसकी टीम के सदस्यों द्वारा पतासाजी करते हुए उड़ीसा से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रायपुर के समक्ष पेश किया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)